जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 251 प्रभात चूरू, मंगलवार 7 जनवरी, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

एलन मस्क अब केवल अमेरिका के आंतरिक मामलों के ''विशेषज्ञ'' ही नहीं रहे

वे अब अन्य देशों, उदाहरण के लिये इंगलैण्ड व जर्मनी, के राष्ट्राध्यक्षों की भी ''क्लास'' लेने लगे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद एलन मस्क अमेरिका में न केवल ''एक्स्ट्रा कॉन्स्टिट्यूशनल पावर,'' परा संवैधानिक शक्ति केन्द्र के रुप में उभर रहे हैं, बल्कि एक कूटनीतिक ''क्रशिंग बॉल'' भी बन रहे हैं। (क्रशिंग बॉल वह उपकरण है जो इमारतों को तोड़ने के काम आता है)।

हाल ही में इन्होंने ब्रिटिश सरकार को निशाना बनाया। उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री और ब्रिटिश सरकार की कड़ी आलोचना की, जो एक तरह से ब्रिटेन और अमेरिका की एतिहासिक दोस्ती पर भारी प्रहार था।

इससे पहले एलन मस्क ने जर्मनी की सरकार और चांसलर ओलाफ शोल्ज़ की आलोचना की थी, क्योंकि वे अपराधियों पर कार्यवाही करने में असफल रहे हैं। मस्क ने जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी ए.एफ.डी. को शोलत्ज़ सरकार का बेहतर विकल्प बताया था। जर्मनी में जल्दी ही नए चुनाव होने वाले हैं और नई सरकार बनने की संभावना है।

- मजे की बात है, ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद, इन सार्वभौम देशों के प्र.मंत्री/चाँसलर आदि भी ट्रम्प को ''खुश'' रखने की दृष्टि से मस्क की इन तीखी टिप्पणियों को अपने देश के आंतरिक मामलों में दखलदांजी नहीं मान रहे, बल्कि, मस्क की टिप्पणियों का झूठा-सच्चा, विनय पूर्वक जवाब देने में लगे हैं।
- मस्क ने ब्रिटेन के वर्तमान प्र.मंत्री पर आरोप लगाया कि वर्षों ही नहीं, दशकों तक इंगलैण्ड में बच्चियों का बलात्कार व शोषण हो रहा था, कुछ पाकिस्तानी गिरोहों द्वारा, पर, ब्रिटेन की सरकार चुपचाप देखती रही, इन कृत्यों को ज्यादा प्रचारित करने व सख्त दण्डनीय कार्यवाही करने से कतराती रही, क्योंकि उसे डर था कि सख्ती करने से उन पर ''रेसिस्ट'' का ठप्पा लग सकता है, और वह अपने पर ''इस्लामी फोबिया'' होने की तोहमत भी नहीं लगवाना चाहती थी।

मस्क ने ब्रिटिश सरकार के आचरण व संस्थागत विफलताओं की इतनी कड़ी आलोचना की, कि प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर को अपने बचाव के लिए आगे आना पड़ा, पर मस्क का खुलासा इतना जबर्दस्त है कि इसका गंभीर परिणाम होगा।

मस्क ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री को ''घटिया'' करार दिया और कहा कि जिसने भी बच्चों के यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामलों की नए सिरे से जांच की मांग की, उसे स्टारमर ने कट्टर दक्षिणपंथी करार दिया।

मस्क ने मौजूदा प्रधानमंत्री की ब्रिटिश सरकार के डायरैक्टर ऑफ पब्लिक प्रॉसिक्यूशन की भूमिका की भी कड़ी आलोचना की तथा उनके करीबी लोगों पर भी निशाना साधा।

मस्क का आरोप था कि सरकार और ब्रिटिश अधिकारियों के पूरे एक समूह ने पाकिस्तानी ''ग्रूमिंग गैंग्स'' द्वारा छोटी लड़कियों के यौन शोषण व दुष्कर्म के खिलाफ पीड़िताओं व उनके माता-पिता की अपीलों की अनदेखी की, क्योंकि उन्हें डर था कि उन पर रंगभेद व इस्लाम से डरने वाले का ठप्पा लग सकता है।

मस्क ने ऐसे समय में ब्रिटिश सरकार पर निशाना साधा है, जब समूची ब्रिटिश सरकार अमेरिका के नए राष्ट्रपति से अच्छे रिश्ते बनाने में जुटी है। ट्रम्प ने हाल ही में यूरोप के कई देशों की सरकारों व नेताओं की आलोचना की है, क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में 2 माह के बच्चे में चीनी वायरस मिला

डूंगरपुर, 6 जनवरी (निसं)। चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस एचएमपीवी की डूंगरपुर में दो महीने के बच्चे में पुष्टि हुई है। बच्चा 12 दिन से अहमदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती है। बच्चा अभी स्वस्थ बताया जा रहा है। बच्चे को सर्दी और तेज बुखार था। परिवार के लोग बच्चे को गुजरात के मोडासा लेकर गए, जहां बच्चे को आराम नहीं मिलने पर, उसे अहमदाबाद के ऑरेंज हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

- अहमदाबाद के अस्पताल में 12 दिन से भर्ती बच्चा अब स्वस्थ बताया जा रहा है।
- अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार, शुरु में 5 दिन बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया था। इसके बाद की जाँचों में वायरस से संक्रमित होने की बात सामने आयी थी।

हॉस्पिटल के डॉ. नीरव पटेल ने बताया कि शुरुआत में उसे पांच दिनों तक वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। इसके बाद हुई कई जांचों में बच्चे के वायरस से संक्रमित होने की बात सामने आई। प्रीमैच्योर डिलीवरी की वजह से बच्चे के फेफड़ों में इंजेक्शन भी लगाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस दिल्ली में जीती तो महिलाओं को हर माह 2500 रूपए देगी'

कांग्रेस ने दिल्ली में ''प्यारी दीदी'' योजना की घोषणा करते हुए वादा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस ने आज ''प्यारी दीदी योजना'' की घोषणा की, जिसके तहत, पार्टी ने वचन दिया है कि दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में आने पर प्रत्येक महिला को 2,500 रूपए प्रति माह दिये जायेंगे।

इस योजना की घोषणा पार्टी की दिल्ली इकाई के कार्यालय में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन तथा पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ मिलकर की।

मीडिया को संबोधित करते हुये, शिवकुमार जो कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा, ''हम प्यारी दीदी योजना'' लाँच कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि दिल्ली में कांग्रेस सरकार आयेगी। हम मंत्रिमंडल की पहली मीटिंग वाले दिन इस योजना को लागू कर देंगे।''

उन्होंने कहा कि ''प्यारी दीदी योजना'' के तहत, कर्नाटक मॉडल के अनुरुप, दिल्ली की प्रत्येक महिला को 2,500 रूपए प्रति माह दिये जायेंगे।

- कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काज़ी निज़ामुद्दीन और पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने पार्टी कार्यालय में इस योजना की घोषणा की।
- डी.के. शिवकुमार ने इस दौरान पत्रकारों से वार्ता कर बताया कि कर्नाटक में कांग्रेस ने सरकार बनने के तीन माह बाद ही सभी गारंटियां लागू कर दी थीं और उन्हें यकीन है कि दिल्ली में भी कांग्रेस सरकार बनी तो यह योजना लागू होगी।
- दिल्ली प्रभारी काज़ी निज़ामुद्दीन ने कहा कि दिल्ली के लिए यह कांग्रेस की पहली गारंटी है।
- दिल्ली के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी ने कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना, सभी जगह वादे निभाएं हैं। पार्टी समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है।

शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने जिन गारंटियों का वादा किया था, राज्य में सत्ता में आने के तीन महीनों के अंदर, वे सभी गारंटियों को क्रियान्वित कर दिया गया था।

कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुये, उन्होंने कहा, ''महिलाएं पूरे राज्य में बसों में फ्री यात्रा कर रही हैं, बेरोज़गार युवाओं को 3,000 रूपए दिये जा रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में भाजपा की मदद के लिए संघ ने 100 स्वयंसेवक उतारे

बताया जाता है कि संघ ने महाराष्ट्र व हरियाणा में भी यही नीति अपनाई थी जिससे भाजपा हारी हुई बाजी जीत गई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दिल्ली के आसन्न विधानसभा चुनावों से पूर्व जनसम्पर्क अभियान शुरु कर दिया है ताकि उसकी भारतीय जनता पार्टी के प्रचार को बल मिल सके।

विस्तृत जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि आर.एस.एस. का यह सम्पर्क अभियान महाराष्ट्र और हरियाणा में किये गये उसके प्रयासों की ओर भी इंगित कर रहा है, जहाँ दोनों राज्यों में भाजपा के विरूद्ध सत्ता-विरोधी माहौल और प्रशासनिक कमियों को लेकर प्रतिकूल जमीनी स्थिति को मात देकर सत्ता हासिल कर ली थी।

हरियाणा में भाजपा ने अपने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिये 90 में से 48 सीटें जीती थीं तथा महाराष्ट्र में भाजपा, शिव सेना (शिंदे गुट) तथा एन.सी.पी. (अजित पवार) से मिल कर बने महायुति गठबंधन ने 288 में से 228 सीटों पर विजय प्राप्त की थी।

- जानकार सूत्रों ने बताया कि गत कुछ सप्ताह से वरिष्ठ संघ नेताओं और भाजपा नेताओं के बीच मीटिंग हो रही है, जिसमें चुनाव की सैंट्रल थीम सैट की गई है।
- सूत्रों ने बताया कि संघ दिल्ली में बाँग्लादेशियों व रोहिंग्या की घुसपैठ से चिंतित है, इसलिए वह दिल्ली में भाजपा को सत्ता में लाना चाहता है।
- संघ के ये 100 स्वयंसेवक अगले कुछ सप्ताहों में समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मेल-मुलाकात करेंगे और भाजपा के पक्ष में माहौल बनाएंगे।
- इसी नीति की बदौलत भाजपा ने हरियाणा व महाराष्ट्र में ''एन्टी इन्कम्बैंसी'' लहर को उलट कर हरियाणा में 90 में से 48 और महाराष्ट्र में 288 में से 228 सीटें जीती थीं।

पार्टी नेताओं ने इन दोनों राज्यों में भाजपा की जीत का श्रेय आर.एस.एस. के प्रचार-अभियान को ही दिया था, जिसने पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में मदद की थी।

दिल्ली में, आर.एस.एस. के करीब 100 स्वयंसेवक अगले सप्ताहों में सोशल ग्रुपों तथा प्रोफेशनल्स के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजमेर दरगाह में आज पेश होगी मुख्यमंत्री की चादर

जयपुर, 6 जनवरी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की ओर से अजमेर ख्वाजा साहब के उर्स के मुबारक मौके पर मंगलवार को चादर पेश की जाएगी। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती मजार शरीफ पर मुख्यमंत्री की ओर से दी गई चादर पेश करेंगे। हमीद खान मेवाती मंगलवार दोपहर 12 बजे जयपुर भाजपा प्रदेश कार्यालय से रवाना होकर 3 बजे अजमेर पहुंचेंगे। चादर पेश करने के बाद, वे बुलंद दरवाजे से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का संदेश पढ़ेंगे।

- भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद खान मेवाती दिन में 12 बजे प्रदेश कार्यालय से चादर लेकर रवाना होंगे।

रोहिणी (दिल्ली) की आमसभा में मोदी जी का ''टैलिप्रॉम्पटर'' फेल हुआ

''टैलिप्रॉम्पटर'' की सेवाएं अवरूद्ध होने के कारण मोदी जी के ''स्पीच लैस'' हो जाने, पर, सोशल मीडिया में एक बाढ़ सी आ गई, व्यंग और उपहासपूर्ण टिप्पणियों की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। रविवार को दिल्ली के रोहिणी इलाके में एक रैली के दौरान ''टैलिप्रॉम्पटर'' की गड़बड़ी ने कथित रूप से प्रधानमंत्री को चुप करा दिया। जनवरी 2022 में वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम समिट के दौरान भी उन्हें ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था।

रविवार की घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रधानमंत्री को लक्ष्य करते हुए उपहास और तानों की झड़ी लग गई।

एक सोशल मीडिया यूज़र ने फोटो पोस्ट की और लिखा, ''नेहरू जी ने टैलिप्रॉम्पटर की बिजली काट दी।'' ज्ञातव्य है कि भाजपा भारत की हर समस्या के लिए पंडित नेहरू को जिम्मेदार ठहराती रही है।

इतने सालों तक भाजपा अपने

- ऐसी ही दुर्घटना जनवरी 2022 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को ''वर्चुअली'' संबोधित करते हुए भी हुई थी।
- पर, उस दुर्घटना पर मीडिया का ज्यादा ''फोकस'' नहीं हुआ था। पर, इस बार एक आमसभा को संबोधित करते हुए यह हादसा हुआ, तो सरकार विरोधी सोशल मीडिया एक्टिविस्ट को मौका मिल गया। मोदी कार्यशैली, वाक्चातुर्य आदि पर तंज कसने का और इस मौके का भरपूर उपयोग हुआ।

राजनीतिक प्रतिद्वंदियों का मज़ाक बनाने के लिए बड़ी सफलता से सोशल मीडिया का इस्तेमाल करती आई है।

सोशल मीडिया विश्लेषक राधिका सचान का कहना है कि इस मामले में पार्टी के सबसे बड़े नेता को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जा रहा है।

एक अन्य सोशल मीडिया यूज़र ने पोस्ट किया, ''टैलिप्रॉम्पटर उनके झूठ के आगे फेल हो गया। वो भी जनता को झूठ नहीं बताना चाहता था।''

एक और यूज़र ने अपनी पोस्ट में कहा, ''बेचारे प्रधानमंत्री, टैलिप्रॉम्पटर ने बीच में ही काम करना बंद कर दिया। उसके बिना वो एक शब्द भी नहीं बोल सकते। लोग सोचते हैं, मोदी सबको कंट्रोल करते हैं, जबकि वो खुद टैलिप्रॉम्पटर ऑपरेटर और भाषण लिखने वाले के कंट्रोल में हैं।''

एक और प्रतिक्रिया आई, ''इलाज में फिर कमी? जब टैलिप्रॉम्पटर फेल होता है तो संघ परिवार के ''महानतम वक्ता'' भी फेल हो जाते हैं।''

एक व्यक्ति ने कहा, ''महानतम वक्ता टैलिप्रॉम्पटर के बिना लड़खड़ा जाते हैं और उसे ''कवर अप'' करने के लिए कैमरा दर्शकों की तरफ घूम जाता हे। क्या यह केवल बुढ़ापा है, या फिर स्क्रिप्ट भी गायब हो गई है?''

एक और यूज़र ने कहा, ''मोदी टैलिप्रॉम्पटर प्रोमैक्स। फेलियर परमानैंट (स्थाई) है, सफलता टैम्परेरी (क्षणिक) है। वे टैलिप्रॉम्पटर के बिना एक शब्द भी नहीं बोल सकते।''

दूसरे ने लिखा, ''आपको पता नहीं, बोलना क्या है? टैलिप्रॉम्पटर एरर!''

आप नेता अरविंद केजरीवाल को दोषी बताते हुए एक यूज़र ने कहा, ''टैलिप्रॉम्पटर फेल हो गया। लगता है केजरीवाल ने तार काट दिया।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उच्चाधिकार समिति व किसानों की वार्ता पर सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीद जताई

नयी दिल्ली, 06 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने एक महीने से अधिक समय से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को मेडिकल सहायता देने के मामले में पंजाब सरकार की विफलता पर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई सोमवार से दस जनवरी तक के लिए टाल दी क्योंकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति के सदस्यों ने डल्लेवाल एवं अन्य किसान नेताओं से वार्ता की है।

- कोर्ट ने 10 जनवरी को सुनवाई से पहले वार्ता के परिणाम बताने को कहा।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और एन के सिंह की पीठ ने पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

द्रमुक सरकार को एक के बाद एक भावनात्मक मुद्दे थमा रहे हैं राज्यपाल आर.एन. रवि

इन मुद्दों से द्रमुक सरकार असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने में कामयाब हो रही है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल राज्य सरकारों को हद से ज्यादा परेशान कर चुके हैं, पर अगर तमिलनाडु की बात करें तो राज्यपाल आर.एन. रवि द्रमुक और राज्य सरकार को खुद इतना मसाला दे रहे हैं कि वह आसानी से उनका सामना कर रही है। वे द्रमुक को ऐसे -ऐसे भावनात्मक मुद्दे थमा रहे हैं कि उनका इस्तेमाल कर द्रमुक ना केवल असली मुद्दों से लोगों का ध्यान हटा रही है, बल्कि अपना केन्द्र सरकार विरोधी कथानक भी जनता के सामने पेश कर रही है। राजनैतिक पर्यवेक्षक हैरान हैं कि क्या वे ''सैल्फ गोल'' कर रहे हैं।

नवीनतम मामला सोमवार को हुआ, जब राज्यपाल ने राष्ट्रीय गीत और संविधान के कथित अनादर के मुद्दे पर सदन से वॉकआउट कर दिया। असल में राज्य विधानसभा में राष्ट्रीय गीत से पहले ''स्टेट एंथम'' (राज्य गीत) बजाया गया तो वे शीतकालीन सत्र को संबोधित करने की परम्परा निभाए बिना ही सदन से वॉक आउट कर गए और राष्ट्र गीत तथा संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया।

- सोमवार को राज्यपाल आर.एन. रवि ने राज्य विधानसभा में ''स्टेट एंथम'' बजाने पर विरोध जताया और राष्ट्रगीत व संविधान के अपमान का आरोप लगा कर अभिभाषण दिए बिना ही सदन से वॉकआउट कर गए।
- द्रमुक सरकार ने राज्यपाल की इस हरकत को उनके तमिलनाडू विरोध की संज्ञा दी और तमिल संस्कृति का मुद्दा उठाया।
- पर, इस विवाद में अन्ना युनिवर्सिटी में हुआ ''दुष्कर्म'' कांड उपेक्षित रह गया। जब इस मुद्दे पर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष नारेबाजी कर रहा था तभी राज्यपाल ने राष्ट्र गीत का मुद्दा उठा कर दुष्कर्म कांड पर बहस की संभावनाएं खत्म कर दीं।
- अब राष्ट्र गीत बनाम राज्य गीत के सम्मान पर विवाद छिड़ गया है। द्रमुक कोई कसर नहीं छोड़ रही है, असली मुद्दों को दरकिनार कर रही है।

राज्यपाल की इस हरकत पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनकी पार्टी ने राज्यपाल की तमिलनाडु -विरोधी भावनाओं को मुद्दा बनाया और कहा कि राज्यपाल यहां भाजपा व केन्द्र सरकार के पक्षकार बनकर खड़े हैं।

राज्यपाल के पारम्परिक संबोधन के बिना ही सदन से चले जाने के बाद, राजभवन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री स्टालिन और विधानसभा स्पीकर एम. अपावू ने बार-बार कहने के बाद भी बात नहीं सुनी। राज्यपाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय संविधान का ऑन लाइन पाठ्यक्रम

नयी दिल्ली, 06 जनवरी। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने वर्ष 2024 में ही भारतीय संविधान पर ऑनलाइन हिंदी पाठ्यक्रम शुरू किया। मंत्रालय के अनुसार, 26 नवंबर 2024 को विधिक मामलों के विभाग ने संविधान दिवस और भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ मनाई। संविधान दिवस पर विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधिक मामलों के विभाग ने देश की सर्वोच्च नैक रैंकिंग वाले राष्ट्रीय

- विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधिक मामलों के विभाग ने नालसार युनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद के साथ मिलकर हिन्दी में यह पाठ्यक्रम शुरु किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया। –अब्राहम लिंकन

ऐसा हो 2025 का भारत

2024 बीत गया है और हम ने 2025 में प्रवेश कर लिया है । वर्ष 2024 में भारत ने लोकसभा और कुछ विधानसभाओं के चुनाव देखे, जिनमें अनेक बार भाषा की मर्यादाएं तार-तार हुईं और राजनीति का स्तर निम्न से निम्नतर होता गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की ओर से संविधान की रक्षा की बात की गई और दोनों ने इसकी भावना के विपरीत काम किया ।

इस संदर्भ में 2025 के भारत की कल्पना हम करें, तो मेरे मन में जिस प्रकार की तस्वीर उभरती है, उसका उल्लेख इस लेख में किया गया है।

सबसे पहली कामना तो यही है कि सार्वजनिक जीवन में शुचिता और मर्यादा पुनर्स्थापित हो। अयोध्या में क्योंकि मर्यादा पुरुषोत्तम राम का भव्य मंदिर बन चुका है, अत: राजनीतिज्ञ मर्यादित व्यवहार करें। संसद में नियमित उच्च कोटि की बहस हो। विचारों की असहमति व्यक्त करने हेतु कडे शब्दों का प्रयोग हो, किंतु उनमें ओछापन न हो। आम जन के मुद्दों जैसे–बेरोजगारी, महंगाई सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर ही सर्वाधिक चर्चा हो। जन और प्रतिनिधि के बीच में दूरी कम हो और उनका सारा काम केवल जन हित में ही हो। कानून ऐसे हों जो देशवासियों को अपनी असीमित क्षमता का प्रदर्शन करने का पूर्ण अवसर प्रदान करें । राजनीतिज्ञ, दूसरे दलों के नेताओं के प्रति सम्मान रखें और मर्यादा पूर्ण भाषा का प्रयोग करें। धर्म को राजनीति का हथियार न बनाएं, ऐसी कामना इस वर्ष के लिए की जा सकती है। ऐसा करने में योगदान किसी एक दल का नहीं, अपितु सभी राजनीतिक दलों का हो।

2025 में देश में असमानता कम हो। गत कुछ वर्षों में गरीब और अमीर की खाई बहुत बढ़ी है और संपत्ति का केंद्रीकरण कुछ लोगों के हाथ में हुआ है । यह वर्ष ऐसा हो, जिसमें वंचित वर्ग के लोगों को भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का और अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढने का पर्याप्त अवसर प्राप्त हो। प्रतिभा किसी विशेष वर्ग की बपौती नहीं है एवं समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक स्तर में प्रतिभा भरपूर छिपी हुई है। इस वर्ष में उनकी प्रतिभा को निखरने का पूरा अवसर मिले। यह अपेक्षा है कि गुणवत्ता पूर्ण पढाई के अवसरों में समानता हो। निर्धनतम परिवार का बच्चा भी अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अधिकारी हो ।जब शिक्षा का अवसर समान होगा, तब अपनी प्रतिभा के अनुसार आगे बढने का स्वत: ही अवसर प्राप्त हो जाएगा ।इस वर्ष में सरकार, शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी स्वयं अपने ऊपर ले। इसके लिए धन के अभाव का बहाना न बनाया जाए। कम से कम, स्कूली शिक्षा तक तो ऐसा हो ही। शिक्षा संस्थान, व्यवसाय के साधन बन कर न रह जाएं अपितु बच्चों के भविष्य का निर्माण करने का माध्यम बनें । सरकार, संविधान में उल्लेखित कर्तव्य को निभाते हुए सभी बालक-बालिकाओं को एक समान उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करे।

कार्यपालिका से यह अपेक्षा है कि वह ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ कानून का राज स्थापित करे । वे संविधान एवं आमजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए काम करें ताकि वे लोगों की दुआएं ले सकें। सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं होती है। कार्यपालिका में काम करने वाले सभी लोग, स्वयं को उस धन का ट्रस्टी समझते हुए, उसका अधिकाधिक लाभ सर्वाधिक वंचित वर्ग तक पहुंचाने का काम करें, यह आशा हम 2025 में कर सकते हैं । सरकारी कार्यालय में नागरिकों को बार-बार चक्कर न लगाने पडें। सारे नियम और प्रक्रियाएं बहुत सहज, सरल, स्पष्ट भाषा में उपलब्ध हों । कार्यपालिका का एक ही ध्येय हो "आमजन के साथ अच्छा व्यवहार तथा उसका तत्पर काम "।

देश में स्वार्थ का भाव समाप्त हो। सभी नागरिक एक दूसरे के साथ सहयोगी की तरह, कंधे से कंधा मिलाकर देश को आगे बढाने के काम में जुट जाएं । नागरिकों को भी इस नव वर्ष में संकल्प लेना होगा कि वह बिना सोचे-समझे सोशल मीडिया पर ऐसा कोई संदेश आगे नहीं भेजेंगे जिससे समाज में परस्पर कटुता, हिंसा और नफरत का वातावरण उत्पन्न होता हो। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्ण रूप से हो, किंतु यह संयम सभी बरतें कि वे ऐसी कोई बात न कहें, न करें जिससे समाज में अलगाव और असहिष्णुता की स्थिति उत्पन्न हो।

सभी संवैधानिक संस्थाएं पूर्ण रूप से स्वतंत्र एवं निष्पक्षता के साथ अपना काम करें, ऐसा वातावरण हो । सरकार को संयम बरतना होगा कि वह विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं जैसे चुनाव आयोग, न्यायपालिका, सीबीआई, ई डी आदि का दुरूपयोग अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए न करे।

वर्ष 2025 में देशभक्ति की एक नई परिभाषा गढी जाए जिसका सीधा, सरल अर्थ यह हो कि जो जिस काम में संलग्न है, उसे पूरी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा के साथ संपन्न करे। यह बात लोकतंत्र के चारों स्तंभों पर लागू होती है ।

2025 में मीडिया, सकारात्मक खबरों को बिना किसी लाग लपेट के लोगों तक पहुंचाए। देश के विभिन्न भागों में अनेक व्यक्ति बहुत उत्कृष्ट श्रेणी का कार्य, जनहित में कर रहे हैं। ऐसे कार्यों को देश के अन्य लोगों तक फैलाने का काम मीडिया करे । वे केवल राजनीति पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के बजाय सामाजिक सद्भाव और सौहार्द्र को बढ़ाने वाले तथा देश को प्रगति के पद पर तेजी से बढ़ाने वाले कामों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित करें।

2025 में मीडिया, सकारात्मक खबरों को बिना किसी लाग लपेट के लोगों तक पहुंचाए। देश के विभिन्न भागों में अनेक व्यक्ति बहुत उत्कृष्ट श्रेणी का कार्य, जनहित में कर रहे हैं। ऐसे कार्यों को देश के अन्य लोगों तक फैलाने का काम मीडिया करे । वे केवल राजनीति पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के बजाय सामाजिक सद्भाव और सौहार्द्र को बढ़ाने वाले तथा देश को प्रगति के पद पर तेजी से बढ़ाने वाले कामों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित करें ।

2025 में नवाचार और सृजनशीलता को प्रोत्साहन मिले, वैज्ञानिक सोच विकसित हो और अंधविश्वास का उन्मूलन हो। अंधविश्वास के नाम पर महिलाओं का उत्पीडन रुके और देश में बाल मजदूरी समाप्त हो । कहीं किसी ढाबे, ईंट भट्टे, किसी के घर में काम करते हुए या सडक पर कचरा बिनते हुए बच्चे नहीं दिखाई दें ।

भारत आर्थिक शक्ति बने और संपन्न हो, यह सभी की कामना है किंतु उस प्रगति का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे, यह अधिक आवश्यक है । ऐसी अपेक्षा 2025 में की जा सकती है कि देश के सभी नागरिक देश की संपन्नता में हिस्सेदार बनें ।

सभी व्यापारी, बिना कर चोरी के, अपना व्यवसाय करें। वह संपन्न बनें, किंतु विधि सम्मत तरीके से। यदि कोई कानून और प्रक्रिया किसी भी प्रकार के व्यवसाय करने में बाधा उत्पन्न करती है तो उन बाधाओं को भी दूर किया जाए ताकि मजबूरन किसी भी व्यवसाई को गैर कानूनी रास्ता न अपनाना पडे।

न्यायपालिका से अपेक्षा है कि वह त्वरित गति से हर व्यक्ति को न्याय प्रदान करे। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की आंखों पर से पट्टी हटा ली गई है, किंतु इसका अर्थ यह न हो जाए कि कानून, व्यक्ति की हैसियत देखकर निर्णय करे । सभी वर्ग और सभी व्यक्तियों के लिए कानून का समान रूप से प्रयोग हो, यह सुनिश्चित करना ही होगा। विलंबित न्याय, अन्याय के समान है। न्यायपालिका को यह बात अच्छी तरह समझनी होगी कि दशकों तक प्रकरण लंबित रहे तो न्याय न मिलने के बराबर है। यह सुनिश्चित करने के लिए जो भी प्रक्रियागत परिवर्तन आवश्यक हों, वे इस वर्ष हों, ऐसी आशा है। अंग्रेजों के जमाने के बहुत सारे कानून हैं जो देश के नागरिकों की स्वतंत्रता को बाधित करते हैं और उन्हें मूल अधिकार से वंचित करते हैं। उनके बारे में विचार कर उन्हें जनोन्मुखी बनाने की आवश्यकता है।

2025 में हम ऐसा भारत चाहते हैं जहां कोई भी बालिका या महिला निश्चिंत होकर, किसी भी समय किसी भी स्थान पर अकेली जा सके।

जनता को 2025 में देश में अधिक स्वच्छ और प्रदूषण रहित पर्यावरण मिले, मिलावट रहित खाद्य सामग्री मिले, यह कामना है। इसके लिए जहां नागरिकों को अपने कर्तव्य का निर्वहन करना होगा, वहीं सरकारों को पहल करनी होगी। गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवा न केवल उपलब्ध हो अपितु सबकी पहुंच में हो।

वर्ष 2025 में सरकार प्रमुख रूप से पूरा ध्यान शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर ही केंद्रित करे। अन्य क्षेत्रों के लिए केवल एक अच्छे नियामक की भूमिका निभाए ताकि निजी क्षेत्र भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ सके ।

प्रधानमंत्रीजी 'न्यू इंडिया' की बात करते हैं। मै 'नव भारत' की बात करूंगा। मेरी दृष्टि में 2025 का 'नव भारत' ऐसा होना चाहिए जहां सब भारतीय प्रसन्न हों, संतुष्ट हों, देशभक्त हों और सब अपनी क्षमता और प्रतिभा के अनुसार स्वयं का और देश का विकास करने में संलग्न हों, सरकार अपनी प्राथमिकता को पुन: परिभाषित करते हुए आम लोगों के लिए काम करे, भारत आर्थिक शक्ति बने तो प्रत्येक भारतीय भी आर्थिक रूप से संपन्न हो ताकि अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके, भारत न केवल चांद पर पहुंचे एवं अंतरिक्ष विज्ञान में अपना झंडा फहराए, अपितु प्रत्येक भारतीय बालक-बालिका को उच्च स्तरीय स्कूली शिक्षा मिले, भारत न केवल दवाई का निर्यात करने वाला प्रमुख देश बने, कोई भी भारतीय दवाओं के अभाव में न मरे, भारत न केवल विभिन्न खाद्यान्नों एवं फलों का निर्यातक बने, कोई भी भारतीय कुपोषित न रहे, भारत बाल मजदूरी, बाल विवाह, बलात्कार और महिला असुरक्षा की राजधानी के रूप में कुख्यात न हो अपितु स्वस्थ बच्चों और सुरक्षित महिलाओं के देश के रूप में जाना जाए, भारत आपसी कटुता, धर्मांधता एवं अंधविश्वास के लिए न जाना जाए अपितु परस्पर सौहार्द्र, प्रेम, भाईचारे और वैज्ञानिक सोच के लिए जाना जाय। जब ऐसा भारत होगा, तभी हम विश्व गुरु कहलाने के वास्तविक अधिकारी होंगे ।

कई पाठकों को उपरोक्त बातें बडी काल्पनिक लग सकती हैं, किंतु मैं एक घोर आशावादी व्यक्ति हूं और मुझे भारतीयों की क्षमता और प्रतिभा में पूरा विश्वास है। 2025 का वर्ष, सबको अवसर देने का वर्ष बने, यही कामना है। यदि हम ऐसा कर सके तो यह सपना नहीं, सच्चाई होगी।

सभी पाठकों को नव वर्ष की अनेकानेक शुभकामनाएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

"वन नेशन, वन एजुकेशन" सिलबस

सुनील दत्त गोयल

राज्य और केंद्र सरकारों की शिक्षा नीति "वन इंडिया, वन एजुकेशन" होनी चाहिए। जिस तरह केंद्रीय विद्यालयों में पूरे भारत में एक ही यूनिफॉर्म/ड्रेस कोड और सिलेबस है, छुट्टियों से लेकर पढ़ाई के समय तक एक समान हैं, उसी मॉडल को पूरे देश के प्राइवेट स्कूलों में भी लागू करना चाहिए। यह पहल न केवल शिक्षा प्रणाली में समानता लाएगी, बल्कि छात्रों के लिए बेहतर अवसरों का द्वार भी खोलेगी।

शिक्षा के उद्देश्य और संसाधनों का बेहतर उपयोग : सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन स्कूलों को रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराई गई है, वे उन संसाधनों का उपयोग शिक्षा के उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं। हमारा सभी शिक्षण संस्थानों से यह निवेदन है कि वे भूमि और भवन का गैर-शिक्षण कार्यों में उपयोग करने से बचें और उनका अधिकतम उपयोग बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए ही करें। ऐसा करने से सरकार के साथ उनका बेहतर सामंजस्य बना रहेगा। उदाहरण के लिए, कई स्कूलों ने सरकार से मिली जमीन का उपयोग आधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और खेल सुविधाओं के निर्माण में किया है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक साबित हुए हैं। हालांकि, ऐसा करने वाले शैक्षिणक संस्थानों की संख्या बहुत कम है। उम्मीद की जाती है कि अन्य शिक्षण संस्थान भी जमीन का उपयोग सरकार से किए गए वायदे के मुताबिक ही करें, जिससे छात्रों के जीवन में सुधार हो और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि कुछ जमीन वर्तमान में खाली है, तो उसे बेहतर योजनाओं के तहत उपयोग में लाने के सुझाव दिए जा सकते हैं। इन जमीनों पर वंचित बच्चों के लिए विशेष शैक्षिणक केंद्र या कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। यह न केवल शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करेगा, बल्कि समाज में समावेशी विकास को भी बढ़ावा देगा। स्कूल प्रबंधन और सरकार के बीच सहयोग से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि उपलब्ध संसाधन अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए उपयोग हों। यह न केवल शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करेगा, बल्कि स्कूलों की सकारात्मक छवि भी बनाएगा।

निजी स्कूलों की भूमिका : निजी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वे छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ निजी स्कूल डिजिटल क्लासरूम, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और विदेशी भाषाओं के अध्ययन के लिए विशेष कार्यक्रम चलाते हैं। ये पहल छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करती हैं। हालांकि, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी पारदर्शिता हो। स्कूल प्रबंधन को सरकार के साथ मिलकर एक पारदर्शी रूपरेखा तैयार करनी चाहिए, जिससे वे अपने शिक्षा से संबंधित उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकें। इससे छात्रों और अभिभावकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

फीस और पाठ्यपुस्तकों में समानता : फीस और पाठ्य पुस्तकों की कीमतों में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार और स्कूल प्रबंधन को एक पारदर्शी प्रणाली लागू करनी चाहिए। केंद्रीय विद्यालय की तरह, निजी स्कूलों में भी एक ही सिलेबस और पूरे भारत में एक समान शुल्क लागू किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जरूरतमंद छात्रों को किताबें और अन्य शैक्षिणक सामठी कम या बिना शुल्क के उपलब्ध कराने के लिए सरकार और निजी स्कूल मिलकर एक तंत्र विकसित कर सकते हैं। यह कदम शिक्षा के अधिकार को सशक्त करेगा।

व्यापार एवं उद्योग जगत और विद्यार्थियों को लाभ : "वन नेशन, वन एजुकेशन" नीति का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि विद्यार्थी पूरे देश में समान स्तर की शिक्षा प्राप्त करेंगे। इससे व्यापार और उद्योग जगत को भी फायदा होगा, क्योंकि नौकरी के लिए आवेदन करने वाले सभी छात्रों का शैक्षिणक स्तर समान होगा। रोजगार उपलब्ध करवाने वाले व्यापार एवं उद्योग जगत के मानव संसाधन विभाग को यह विश्वास होगा कि सभी राज्यों के छात्र "वन इंडिया, वन एजुकेशन" नीति के तहत समान शैक्षिक मानकों का पालन कर रहे हैं। इससे रोजगार के अवसरों में भी समानता सुनिश्चित होगी और छात्रों को एक समान स्तर पर आंका जाएगा।

सुझाव : सरकार को "वन नेशन, वन एजुकेशन सिलेबस" नीति को लागू करना चाहिए। सभी स्कूलों में एक समान सिलेबस और यूनिफॉर्म लागू होने से शिक्षा प्रणाली अधिक संगठित और समान हो जाएगी। केंद्रीय विद्यालयों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यह मॉडल पूरे देश में लागू किया जा सकता है। इसके अलावा, स्कूल प्रबंधन और सरकार को साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि शिक्षा का स्तर ऊंचा उठ सके और अधिक छात्रों को लाभ मिल सके। एक समर्पित कमेटी का गठन कर सभी स्कूलों की गतिविधियों की समीक्षा और संसाधनों के उपयोग की निगरानी की जा सकती है।

आज पूरे भारत देश में एक आम धारणा जनता में बन चुकी है कि निजी स्कूल केवल ड्रेस और किताब बेचने का कारोबार में ज्यादा ध्यान देते हैं। इस प्रकार की नकारात्मक छवि से बचने के लिए स्कूलों को भी अपने कार्यप्रणाली में परिवर्तन करने की जरूरत है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा में वृद्धि हो और विद्यार्थियों के परिजन भी उनको और सम्मान की दृष्टि से देखें। ऐसा करने से दोनों ओर से परस्पर सामंजस्य स्थापित होगा और एक दूसरे के प्रति विश्वास और सम्मान भी बढ़ेगा। हमारा अनुरोध है कि निजी स्कूल राष्ट्र निर्माण के लिए अपना योगदान दें। सरकार द्वारा रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराए जाने के बाद यह उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वे छात्रों को उच्चतम स्तर की शिक्षा प्रदान करें और उन्हें वास्तविक जीवन के लिए तैयार करें। इस दृष्टिकोण से, स्कूल प्रबंधन और सरकार के बीच सहयोग मजबूत होगा, शिक्षा का उद्देश्य प्रभावी ढंग से पूरा होगा, और समाज के सभी वर्गों के छात्रों को समान अवसर प्रदान किए जा सकेंगे। यह कदम एक उज्जवल और समावेशी भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

धन्यवाद,

सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर, राजस्थान।

सूफी संत ख्वाजा का 813वां उर्स : अंतिम शाही महफिल व गुस्ल की रस्म अदा

छोटे कुल की रस्म आज, बंद होगा जन्नती दरवाजा, केवड़े व गुलाब जल से दरगाह को धोया

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813वें सालाना उर्स के मौके पर दरगाह में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों की संख्या में जायरीन ने दरगाह जियारत की, जिसके चलते दरगाह परिसर सहित परिधि क्षेत्र में जायरीन की भीड़ देखने को मिली। एक दिन पहले ही सोमवार को जायरीन ने गुलाब जल व केवड़े से दरगाह को धोया। मंगलवार को कुल की रस्म होगी, इसके साथ ही छह दिन से आम जायरीन के लिए खोला गया जन्नती दरवाजा बंद कर दिया जाएगा। दरगाह की खिदमत का समय भी बदल जाएगा।

उर्स में शरीक होने आए जायरीन ने सोमवार देर शाम से ही केवड़े और गुलाब जल से दरगाह को धोना शुरू कर दिया है, जबकि दरगाह में छठी पर मंगलवार को कुल की रस्म होगी। दरगाह की दीवारों पर केवड़े और गुलाब जल का छिडक़ाव करने के बाद जायरीन दीवारों से टपकते पानी को बोतलों में भरकर साथ ले गए। उर्स के मौके पर जायरीन कई साधनों से अजमेर आते हैं। इनमें बड़ी संख्या में ट्रेन से सफर कर आने वाले होते हैं। ऐसे में उन जायरीन को वापस भी लौटना होता है जो छठी को छोटे कुल की रस्म तक नहीं रुक पाते हैं। वह एक दिन पहले ही दरगाह को केवड़ी और गुलाब जल से धोना शुरू कर देते हैं।

महफिलखाना में दरगाह दीवान सैयद जैनुल आबेदीन की सदारत उर्स की छठी शाही महफिल और ख्वाजा साहब की मजार को छठा गुस्ल अदा किया गया। मंगलवार दोपहर को कुल की रस्म के साथ छह दिनों से खुला जन्नती दरवाजा बंद कर दिया जाएगा और उर्स का झंडा चढ़ने के साथ खिदमत का समय भी बदल जाएगा। उर्स के दौरान 10 जनवरी को जुमे की नमाज होगी। दरगाह की शाहजहांनी, अकबरी, संदली मस्जिद सहित आसपास के इलाकों में जायरीन नमाज अदा करेंगे।

मेवाड़ में स्ट्रॉबेरी की हो रही खेती, दूर-दूर से देखने आ रहे हैं लोग

बैंकिंग क्षेत्र के नारायण सिंह और आरएनटी में प्रोफेसर मेडिसिन डॉ. महेश दवे ने मिलकर स्ट्रॉबेरी की खेती का सपना साकार किया

राजसमंद, (निसं)। जिले के घोड़च ग्राम पंचायत के गांव कुंडा में डॉ. महेश दवे और नारायण सिंह ने एक ऐसा काम कर दिखाया है जो कभी असंभव माना जाता था। इन्होंने मेवाड़ की धरा पर स्ट्रॉबेरी की खेती करके न केवल अपना सपना पूरा किया है, बल्कि मेवाड़ के किसानों के लिए एक प्रेरणा भी बन गए हैं।

बैंकिंग क्षेत्र में काम करने वाले नारायण सिंह ने खेती के नए आयाम तलाशने का निर्णय लिया। उन्होंने स्ट्रॉबेरी की खेती का विचार किया और इसके लिए रिसर्च शुरू की। उन्हें पता चला कि स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए 15-20 डिग्री सेल्सियस तापमान और खास वातावरण चाहिए। उन्होंने महाबलेश्वर, हिमाचल और अन्य जगहों का दौरा किया और समझा कि यह एक संवेदनशील फसल है, लेकिन मेहनत से इसे सफल बनाया जा सकता है। अपने शोध के दौरान, नारायण सिंह की मुलाकात आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में प्रोफेसर मेडिसिन डॉ. महेश दवे से हुई। डॉ. दवे की भी खेती में गहरी रुचि थी। जिले के कुंडा गांव में उनके पास खाली जमीन और फार्महाउस था।

उन्होंने साथ मिलकर वहां 65 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू करने का निर्णय लिया। नारायण सिंह ने डॉ. महेश दवे के सहयोग से स्ट्रॉबेरी की बुवाई अक्टूबर में की। इसके लिए ऑर्गेनिक खाद, नीम

कुंडा ग्राम में स्ट्रॉबेरी के खेत में कृषक और अन्य लोग।

की खली, और छाया के लिए मल्च का उपयोग किया गया। मधुमक्खियों की मदद से पौधों का परागण (पोलिनेशन) कराया गया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में वृद्धि हुई। दो महीने बाद दिसंबर में ही खेतों में भरपूर स्ट्रॉबेरी तैयार हो गई। अब फसल की इतनी मांग है कि ऑर्डर पूरे करना मुश्किल हो रहा है। बड़े सुपर मार्केट, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योगपति इनकी स्ट्रॉबेरी खरीदने के लिए पहुंच रहे हैं। मंडी में भी एक दिन छोड़कर एक दिन उत्पादन भेज रहे हैं।

अब तक इस परियोजना में 8 लाख की लागत आई है और 2 लाख रुपए की कमाई हो चुकी है। फसल पूरी होने तक अनुमान है कि कुल 16 लाख रुपए की कमाई होगी, जिससे एक ही फसल में 8 लाख रुपए का शुद्ध लाभ होगा। डॉ. महेश दवे और नारायण सिंह न केवल खुद सफल हो रहे हैं, बल्कि अन्य किसानों को भी नई फसलें उगाने और अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनकी यह यात्रा साबित करती है कि अगर ठान लिया जाए तो कुछ भी असंभव नहीं।

नारायण सिंह मूलत: मावली के आसलियों की मादड़ी के निवासी है जो यहां से 45 किमी दूर है। जुनून ऐसा है कि वे लगभग हर रोज इतना सफर तय कर यहां खेत पर पहुंचते है। वे कहते हैं कि अब यही उनकी नई दुनिया है। स्ट्रॉबेरी की खेती कोई आसान काम नहीं है, बल्कि यह निरंतर ध्यान और मेहनत की मांग करती है। इसका छोटे बच्चे की भांति ध्यान रखना पड़ता है। नारायण सिंह और डॉ. महेश दवे बताते हैं कि इस फसल के रखरखाव के लिए चार व्यक्तियों की एक टीम हर समय तैनात रहती है। सुबह 4 बजे से ही सिंचाई और पौधों की देखभाल शुरू हो जाती है। स्ट्रॉबेरी की संवेदनशील

- **65 हजार वर्ग फीट में हुई फसल, दो माह में ही उग आई स्ट्रॉबेरी, एक फसल से आठ लाख के लाभ का अनुमान**

प्रकृति के कारण पौधों की नमी, पोषण और तापमान पर निरंतर ध्यान देना पड़ता है। इसके अलावा, फसल की गुणवत्तापूर्ण पैदावार सुनिश्चित करने के लिए जैविक खाद, छाया जाल, और मधुमक्खियों द्वारा पोलिनेशन जैसे विशेष उपाय किए जाते हैं। कुल चार व्यक्तियों की टीम रोज यहां काम करती है।

स्ट्रॉबेरी की उच्च कीमत और संवेदनशीलता इसे विशेष ध्यान देने योग्य बनाती है। शाम को खरीदारों की आमद के बाद भी, रात भर फसल की रखवाली करनी पड़ती है। यह काम जानवरों और पक्षियों से फसल की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। किसानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ती है ताकि फसल को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। नारायण सिंह और डॉ. महेश दवे की यह मेहनत और समर्पण इस बात का प्रतीक है कि नई और चुनौतीपूर्ण फसलें उगाने के लिए प्रतिबद्धता और टीमवर्क कितने आवश्यक हैं। भारत में "चैंडलर", "कैमारोसा", और "साबरगम" जैसी किस्में अधिक लोकप्रिय हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 7 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र सायं 5:50 तक, शिव योग रात्रि 11:15 तक, बव करण सायं 4:27 तक, चन्द्रमा सायं 5:50 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सायं 5:50 से सूर्योदय तक है। रवियोग सायं 5:50 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी है। पंचक सायं 5:50 तक रहेंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:57 से 11:15 तक, लाभ-अमृत 11:15 से 1:51 तक, शुभ 3:04 से 4:27 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:45

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बढ़ सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को तनाव से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जिला कलक्टर ने रात्रि चौपाल में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

तारानगर । जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को तारानगर ब्लॉक के बनियाला ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। इस दौरान ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, बीमा क्लेम आदि से संबंधित समस्याएं एवं जरूरतें बताई। जिला कलक्टर सुराणा ने तसल्लीपूर्वक समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश जारी कर उचित कार्यवाही के लिए कहा। ग्रामीणों ने विद्यालय के टिन शेड के पास लगे विद्युत ट्रांसफॉर्मर को हटाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बकाया क्लेम दिलवाने, सड़क के

■ ग्रामीण जागरुक होकर उठाएं सरकार की योजनाओं का लाभः सुराणा

दुरुस्तीकरण के साथ-साथ बिजली और जलदाय विभाग से जुड़ी अपनी समस्याएं बताई। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध और समुचित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि वे किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाली ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित तथा समयबद्ध निस्तारण करें और यह सुनिश्चित करें कि विभागीय लापरवाही के कारण लोगों को अनावश्यक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने ग्रामीणों से विभिन्न विभागों की सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया और कहा कि प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए सरकार की ओर से योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीणों को इन योजनाओं व सेवाओं के बारे में जागरुक रहकर इन योजनाओं की पहुंच अंतिम छोर के जरूरतमंद एवं पात्रा व्यक्ति तक सुनिश्चित करने में सहयोग करना चाहिए। इस दौरान जिला कलक्टर ने राउमावि भाड़ंग के विद्यार्थियों से कोड योगी नवाचार और उनकी शैक्षिणक गतिविधियों के बारे में बातचीत की। जिला कलक्टर ने जिले में किए जा रहे विभिन्न नवाचारों की जानकारी दी और कहा कि हमारी कोशिश है कि सरकार की ओर से देय प्रत्येक सुविधा-सेवा की पहुंच अंतिम छोर तक हो। एसडीएम राजेंद्र प्रसाद ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को समस्याओं के समुचित समाधान के संबंध में निर्देश प्रदान किए। सरपंच पद्मा देवी ने गांव में हुए विकास कार्यों और जरूरतों से जिला कलक्टर को अवगत कराया और कहा कि सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को दिया जा रहा है। इस दौरान तहसीलदार रतनलाल, नायब तहसीलदार महावीर प्रसाद, विकास अधिकारी विनोद धायल, सीबीईओ सुमन जाखड़, कृषि अधिकारी सविता बुडानिया सहित विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामीण कार्मिक मौजूद थे।

एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल का आयोजन

सीकर । अखिल भारतीय महिला परिषद शाखा सीकर की ओर से कच्ची बस्ती में एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल का आयोजन किया गया। परिषद की कार्यकर्ता रुचि अग्रवाल और रोहित ने अपनी बेटी कनिष्का का जन्मदिन कच्ची बस्ती के जरूरतमंद बच्चों को भोजन कराकर और उनके साथ खुशियां बांटकर मनाया। यह आयोजन हर्षोल्लास और सामाजिक सौहार्द के माहौल में सम्पन्न हुआ। समाज सेवा का संकल्प लेते हुए शाखा की अध्यक्ष पूजा चौधरी ने बताया कि परिषद की सभी कार्यकर्ताओं ने यह शपथ ली है कि वे अपने बच्चों के जन्मदिन शादी की सालगिरह और अन्य उत्सव जरूरतमंद बच्चों और वंचित वर्ग के साथ मनाएंगे। उनका कहना है कि होटल और अन्य स्थानों पर फिजूल खर्च करने से बेहतर है कि इस धनराशि का उपयोग समाज के उन लोगों की भलाई के लिए किया जाए, जो वास्तव में इसके हकदार हैं।इस अवसर पर शाखा की कोषाध्यक्ष प्रियंका शर्मा, सचिव संयुक्त शशि बंशीवाल, मिडिया प्रभारी शिवानी तिवाड़ी ,कार्यकारिणी सदस्य संतरा देवी और रुचि अग्रवाल के परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस सामाजिक पहल में सक्रिय भूमिका निभाई और आयोजन को सफल बनाया।

गोल्ड मेडल जीतने पर रैगर का सर्व समाज ने भव्य स्वागत किया

रतनगढ़,(निसं)। रतनगढ़ में आज कंबोडिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पेरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर गोल्ड मेडल जीतने वाली ममता रैगर का भव्य स्वागत सर्व समाज व विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं द्वारा किया। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा से भव्य जुलूस के रूप में सर्व समाज के गणमान्य नागरिकों के साथ नगर के मुख्य मार्गों से निकाले गए स्वागत जुलूस का अनेकों स्थानों पर पुष्प वर्षा कर शानदार स्वागत किया गया। जलसे के बीच सर्वप्रथम ममता ने तालवाले बालाजी व श्याम बाबा के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए जहां पुजारी परिवार व भक्त मंडल ने उनका दुपट्टा पहनाकर व चित्र देकर अभिनन्दन किया। तत्पश्चात् रामचंद्र मंदिर; गनेड़ीवाल मंदिर के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दुर्गावाहिनी की बहनों और राधा माधव भक्त मंडली ने प्रतीक चिह्न देकर तथा पुष्प वर्षा द्वारा जुलूस का स्वागत किया गया। स्वागत के क्रम में अन्य स्थानों पर विश्व हिन्दू परिषद, वेद विद्यालय, खांडल विप्र मंडल, भारत विकास परिषद, नामदेव समाज सेवा समिति, महाकाल मंदिर परिवार, गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति आदि ने पुष्प वर्षा द्वारा इस जुलूस का पुष्प वर्षा कर शानदार स्वागत किया। रतनगढ़ को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि की सभी नगरवासियों ने मुक्त कंठ से सराहना की तथा रैगर समाज भवन पहुंचकर समाज द्वारा रखे गए प्रतिभा सम्मान समारोह में सभी गणमान्य नागरिकों एवं सर्व समाज प्रतिनिधियों ने शिरकत की और ममता को प्रतीक चिह्न भेंटकर तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया। रैगर समाज द्वारा इस अवसर पर अपने समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित करने हेतु भी समारोह आयोजित किया था। रैगर समाज भवन में हुए इस आयोजन में इस अवसर पर अखिल भारतीय रैगर समाज अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद बाकोलिया, रैगर समाज के राष्ट्रीय महासचिव मनोहर लाल बाकोलिया, किशनाराम गहनोलिया, ख्यालीराम सेवलिया, गजानंद खेड़ीवाल, वेद प्रकाश वाल्मीकि, फकीरचंद दानोदिया, दौलतराम दायमा, राजकुमार महर्षि, वासुदेव चाकलान, पप्पूराम रैगर आदि मंचस्थ अतिथि थे। स्वर्ण पदक जीतकर गौरवान्वित करने वाली रतनगढ़ की बेटी ममता रैगर का इस समारोह में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, दुर्गावाहिनी, खटीक समाज, अंबेडकर बौद्धिक मंच, रैगर बौद्धिक मंच, भारत विकास परिषद् , राजस्थान पेंशनर समाज, गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज, खांडल विप्र मंडल, वाल्मीकि विकास समिति, सैन समाज सेवा समिति, लायंस क्लब वेस्ट, लायंस क्लब प्रेरणा, हंसराज खेड़ीवाल, मुरलीधर गाड़गिल, लालचंद बंशीवाल एवं सुरेन्द्र गाड़गिल ने सर्व रैगर समाज की तरफ से सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन धर्मवीर पिंगोलिया ने किया।

दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

चिड़ावा। शहर के आराध्य संत परमहंस पंडित गणेश नारायण बावलिया बाबा की पुण्यतिथि के मौके पर बाबा की साधना स्थली चौरासिया मंदिर में सात और आठ जनवरी को दो दिवसीय कार्यक्रम होंगे। मंदिर महंत झंडीप्रसाद ने बताया कि सात जनवरी को दोपहर एक बजे बावलिया बाबा भक्त मंडल, पंडित गणेश नारायण जागरण समिति और बावलिया बाबा महिला भक्त मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सनातन आश्रम के प्रणेता वाणीभूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी के संयोजन में बावलिया बाबा मंगल पाठ का संगीतमय वाचन किया जाएगा। वहीं आयोजन के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। सांस्कृतिक प्रभारी विक्रम शर्मा ने बताया कि सात जनवरी को शाम सवा छह बजे महा आरती होगी और उसके बाद विभिन्न स्कूलों के बच्चों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। बावलिया बाबा भंडारा समिति की ओर से सभी बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। वहीं आठ जनवरी को अल सुबह बाबा की प्रातः आरती होगी। जिसके बाद हलवा और चने के प्रसाद का भोग लगाने के साथ दिनभर प्रसाद का वितरण किया जाएगा। वहीं सुबह दस बजे से भंडारे का शुभारंभ होगा। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मगरासर, पंचायत समिति सुजानगढ (चूरू)

क्रमांक-ग्रा.प.मगरासर/ई.नि./2024-25/250-255 दिनांक-07.01.2025

ई-निविदा सूचना 07/2024-25

ग्राम पंचायत मगरासर (पंचायत समिति सुजानगढ (चूरू) में नियम 181 के तहत निम्नलिखित कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए, बी एवं सी तथा डी, ई श्रेणी के संवेदकों से ऑपन टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 07.01.2025 को सुबह 11.00 बजे से 15.01.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाकर ग्राम पंचायत स्तरीय क्रय समिति के समक्ष दिनांक 15.01.2025 को 12.00 बजे से ऑनलाईन खोली जायेगी। निविदा शुल्क एवं अमानत राशि की डी.डी. सरपंच ग्राम पंचायत मगरासर के नाम देय होगा। बैंकर्स चैक/डी.डी./स्टाम्प दिनांक 14.01.2025 को प्रात 11.00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत मगरासर में जमा करानी होगी। विस्तृत जानकारी हेतु sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार दिनांक तक देख सकते है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि प्रति कार्य (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क	ऑनलाइन निविदा/ डाउनलोड /अपलोड करने की अवधि	निविदा शुल्क प्रोसेसिंग शुल्क एवं बिड सेक्यूरिंग का स्टाम्प जमा करने की अवधि	ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गंदे पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य बजरंग लाल झिंझा के घर व गुमाना राम मेघवाल के घर से आम गुवाड चेम्बर तक मगरासर	999225/- रू.	20000/- रू.	500 रूपये सरपंच ग्राम पंचायत मगरासर एवं 500 रूपये (MD RISL JAIPUR)	07.01.2025 को सुबह 11.00 बजे से 13.01.2025 को सायं 6.00 बजे तक	14.01.2025 को 11.00 बजे तक	15.01.2025 को 12.00 बजे

निविदा प्रपत्र को इलेक्ट्रोनिक फोरमेट में बेवसाई http://eproc.rajasthan.gov.in **पर जमा कराये। निविदा ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से आनलाईन डिजिल साईन द्वारा स्वीकार की जावेगी।**

1. ऑनलाईन निविदाएं अंकित तिथि को निर्धारित समय पर उपस्थित निविदाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष क्रय समिति द्वारा पंचायत समिति/ग्राम पंचायतकार्यालय में खोली जावेगी यदि किसी कारण वश निविदा निर्धारित तिथि को नहीं खोली जाती है तो निविदा खोलने की प्रक्रिया अगले कार्य दिवसों को भी जारी रखी जावेगी।
2. डाक, व ई-मेल से प्रेषित निविदाऐं एवं सशर्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। ऑनलाईन प्राप्त दस्तावेजों पर ही विचार किया जावेगा। एवं कोई भी संवेदक इलेक्ट्रोनिकली जमा कराने में किसी कारण से लेट हो जाता है तो उसका जिम्मेदार विभाग नहीं होगा।
3. निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत एवं रद्द करने का अधिकार कमेटी के पास सुरक्षित है।
4. जी.एस.टी. प्रमाण पत्र टीन नम्बर एवं पैन कार्ड की प्रति ऑनलाईन संलग्न करना अनिवार्य है।
5. निविदादाता द्वारा संलग्न समस्त दस्तावेजों पर स्वयं प्रमाणित (हस्ताक्षरित) प्रतियों को आनलाईन संलग्न करना होगा।
6. तकनीकी बिड निर्धारित संलग्न प्रारूप एवं वित्तिय बिड निर्धारित ऑनलाईन बीओक्यु में अपलोड की जानी है।
7. शेष शर्तें सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम एवं वित्त एवं लेखा मार्गदर्षिका 2011 व राजस्थान लोक उपापन अधिनियम 2012 एवं 2013 व राज्य सरकार द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों की पालना नियमानुसार होगी।
8. टेंडर के प्रपत्र में आवश्यक सभी सूचियों को सम्पूर्ण रूप से भरकर ऑनलाईन दर्ज करें। निविदा सूचना की शर्तें एवं पूर्ण विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO. ZCR2425A0772, UBN NO. ZCR2425WSOB01470

संतोष मेधवाल
सरपंच
ग्राम पंचायत मगरासर
पं.स. सुजानगढ (चूरू)

ग्राम विकास अधिकार
ग्राम पंचायत मगरासर
पं.स. सुजानगढ (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत मगरासर, पंचायत समिति सुजानगढ (चूरू)

क्रमांक-ग्रा.प.मगरासर/ई.नि./2024-25/243-248 दिनांक-07.01.2025

ई-निविदा सूचना 08/2024-25

ग्राम पंचायत मगरासर (पंचायत समिति सुजानगढ (चूरू) में नियम 181 के तहत निम्नलिखित कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए, बी एवं सी तथा डी, ई श्रेणी के संवेदकों से ऑपन टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 07.01.2025 को सुबह 11.00 बजे से 15.01.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाकर ग्राम पंचायत स्तरीय क्रय समिति के समक्ष दिनांक 15.01.2025 को 12.00 बजे से ऑनलाईन खोली जायेगी। निविदा शुल्क एवं अमानत राशि की डी.डी. सरपंच ग्राम पंचायत मगरासर के नाम देय होगा। बैंकर्स चैक/डी.डी./स्टाम्प दिनांक 14.01.2025 को प्रात 11.00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत मगरासर में जमा करानी होगी। विस्तृत जानकारी हेतु sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार दिनांक तक देख सकते है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि प्रति कार्य (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क	ऑनलाइन निविदा/ डाउनलोड /अपलोड करने की अवधि	निविदा शुल्क प्रोसेसिंग शुल्क एवं बिड सेक्यूरिंग का स्टाम्प जमा करने की अवधि	ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कीचड़ निपटान हेतु इन्टरलोकिंग सीमेंट कंक्रीट ब्लॉक 80 एम एम सड़क निर्माण कार्य आम गुवाड़ चोराहे से रा उ मा वि की और मगरासर	997704/- रू.	20000/- रू.	500 रूपये सरपंच ग्राम पंचायत मगरासर एवं 500 रूपये (MD RISL JAIPUR)	07.01.2025 को सुबह 11.00 बजे से 13.01.2025 को सायं 6.00 बजे तक	14.01.2025 को 11.00 बजे तक	15.01.2025 को 12.00 बजे

निविदा प्रपत्र को इलेक्ट्रोनिक फोरमेट में बेवसाई http://eproc.rajasthan.gov.in **पर जमा कराये। निविदा ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से आनलाईन डिजिल साईन द्वारा स्वीकार की जावेगी।**

1. ऑनलाईन निविदाएं अंकित तिथि को निर्धारित समय पर उपस्थित निविदाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष क्रय समिति द्वारा पंचायत समिति/ग्राम पंचायतकार्यालय में खोली जावेगी यदि किसी कारण वश निविदा निर्धारित तिथि को नहीं खोली जाती है तो निविदा खोलने की प्रक्रिया अगले कार्य दिवसों को भी जारी रखी जावेगी।
2. डाक, व ई-मेल से प्रेषित निविदाऐं एवं सशर्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। ऑनलाईन प्राप्त दस्तावेजों पर ही विचार किया जावेगा एवं कोई भी संवेदक इलेक्ट्रोनिकली जमा कराने में किसी कारण से लेट हो जाता है तो उसका जिम्मेदार विभाग नहीं होगा।
3. निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत एवं रद्द करने का अधिकार कमेटी के पास सुरक्षित है।
4. जी.एस.टी. प्रमाण पत्र टीन नम्बर एवं पैन कार्ड की प्रति ऑनलाईन संलग्न करना अनिवार्य है।
5. निविदादाता द्वारा संलग्न समस्त दस्तावेजों पर स्वयं प्रमाणित (हस्ताक्षरित) प्रतियों को आनलाईन संलग्न करना होगा।
6. तकनीकी बिड निर्धारित संलग्न प्रारूप एवं वित्तिय बिड निर्धारित ऑनलाईन बीओक्यु में अपलोड की जानी है।
7. शेष शर्तें सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम एवं वित्त एवं लेखा मार्गदर्षिका 2011 व राजस्थान लोक उपापन अधिनियम 2012 एवं 2013 व राज्य सरकार द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों की पालना नियमानुसार होगी।
8. टेंडर के प्रपत्र में आवश्यक सभी सूचियों को सम्पूर्ण रूप से भरकर ऑनलाईन दर्ज करें। निविदा सूचना की शर्तें एवं पूर्ण विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO. ZCR2425A0771, UBN NO. ZCR2425WSOB01469

संतोष मेधवाल
सरपंच
ग्राम पंचायत मगरासर
पं.स. सुजानगढ (चूरू)

ग्राम विकास अधिकार
ग्राम पंचायत मगरासर
पं.स. सुजानगढ (चूरू)

4 करोड़ 89 लाख रुपये का गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने 978 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद कर कंटेनर को जब्त किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हनुमान नगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ पर कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर में अवैध गांजा ले जाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में जिले की हनुमानगर थाना पुलिस ने 4 करोड़ 89 लाख 30 हजार रुपये की अनुमानित कीमत का 978 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद कर कंटेनर को जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

हनुमान नगर थाना प्रभारी शंकरसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि कोटा की ओर से आने वाले एक कंटेनर में अवैध मादक पदार्थ गांजा भरा हुआ है। यह कंटेनर हाईवे से होते हुए आगे जायेगा। इस सूचना पर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन, एएसपी शाहपुरा राजेश आर्य और डीएसपी जहाजपुर नरेन्द्र पारीक के सुपरविजन में थाना प्रभारी सिंह मय जाब्ता नेशनल हाइवे 52 स्थित बालाजी तिराहा पर पहुंचे और नाकाबंदी की। सूचना के मुताबिक आये कंटेनर को पुलिस ने रोका। तलाशी ली तो उसमें 978.6 किलोग्राम अवैध गांजा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर दो तस्करों गुर्जरी का मोहल्ला नानणा थाना दूद जिला जयपुर ग्रामीण निवासी शाहरुख मोहम्मद (22) पुत्र मुनीर खां भाटी, सचिन गुर्जर (19) पुत्र रामजीवन गुर्जर को गिरफ्तार किया, साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त कर किया गया।

हनुमान नगर थाना पुलिस ने करोड़ों का गांजा बरामद कर तस्करों को गिरफ्तार किया।

- कोटा की ओर से आ रहे कंटेनर में अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया

पुलिस ने जब्त गांजे की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 4 करोड़ 89 लाख 30 हजार रुपये बताई है। हनुमान नगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के साथ एएसआई कैलाश चंद, दीवान रामराय कांस्टेबल राजेन्द्र (विशेष योगदान), भगवत सिंह, लालाराम, शंकरलाल, विक्रम सिंह, टिकम चंद चालक, जहाजपुर थाने के कांस्टेबल रामचंद्र व रीकम चालक (विशेष योगदान) शामिल थे।

पांच लाख रुपए से भरा ए.टी.एम. उखाड़ ले गए बदमाश

65 किलोमीटर दूर ट्रे बॉक्स को काटकर नगदी निकाली, मशीन को फेंककर बदमाश फरार हुये

सूरतगढ़, (निसं)। पांच लाख रुपए भरे पीएनबी बैंक एटीएम को उखाड़कर बदमाश पिकअप में डालकर ले गए। बदमाशों ने 65 किलोमीटर जाकर गैस कटर से मशीन के ट्रे बॉक्स पार्ट काटा। इसके बाद रुपए निकालकर मशीन को सुनसान जगह फेंक गए। वारदात के बाद सोमवार सुबह मशीन को बरामद कर लिया गया है। घटना सूरतगढ़ के गांव बीरमाना में रविवार रात 2 से 2:30 बजे के बीच हुई।

डीएसपी प्रतीक मील ने बताया कि पिकअप सवार करीब आधा दर्जन बदमाश गांव के पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम के सामने आकर रुके और बैंक के बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों पर काले रंग से स्प्रे कर दिया, ताकि कैमरे का लेंस ढक जाए। इसके बाद, दो से तीन बदमाश लोहे की रॉड लेकर एटीएम कक्ष में घुसे और बाहर और अंदर लगे हूटर की तारें काट दीं, ताकि किसी प्रकार की आवाज न हो। बदमाशों ने लोहे की रॉड से एटीएम को उसके फाउंडेशन से हिला दिया। इसके बाद पिकअप से ही टोचन करके एटीएम मशीन को उखाड़ लिया और पिकअप में डालकर फरार हो गए।

- बैंक के बाहर लगे सभी सीसीटीवी पर काले रंग से स्प्रे कर दिया, ताकि कैमरे का लेंस ढक जाए
- पिकअप से ही टोचन करके एटीएम मशीन को उखाड़ा और पिकअप में डालकर फरार हो गए

बैंक अधिकारियों के अनुसार, घटना के वक्त एटीएम में करीब पांच लाख रुपए का कैश था, जिसे चोर मशीन के साथ ही ले भागे। घटना की सूचना मिलते ही एसपी गौरव यादव के निर्देशों पर डीएसपी प्रतीक मील ने रात में बीकानेर संभाग में नाकाबंदी करवाई और पुलिस टीमों ने हाईवे और लिंक सड़क मार्गों पर वाहनों की गहन तलाशी ली। वहीं बैंक अधिकारियों और राजियासर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वारदात का मुआयना किया। बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया।

डीएसपी प्रतीक मील ने बताया कि घटना स्थल गांव बीरमाना से 65 किलोमीटर दूर क्षतिग्रस्त एटीएम सोमवार सुबह 11 बजे मिला। चोरों ने गैस कटर से मशीन के ट्रे बॉक्स पार्ट को काटकर 5 लाख रुपए की नकदी से भरी कैश ट्रे निकाल ली। इसके बाद मशीन को 465 हैड (सूरतगढ़) के सुनसान इलाके में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, पूर्व में भी इसी बैंक के एटीएम से चोरी की दो बार कोशिश की जा चुकी है। दोनों बार एक ही तरीका अपनाया गया था। इस बार भी चोरों ने पूरी तरह से रैकी कर घटना को अंजाम दिया। घटना से पहले चोरों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे किया और उनकी वायर काट दी। हालांकि, एटीएम के अंदर लगे कुछ सीसीटीवी कैमरों पर कलर स्प्रे छिड़कने के बावजूद लेंस पूरी तरह से कवर नहीं हो पाए, जिससे कुछ फुटेज रिकार्ड हो गए। पुलिस ने बैंक प्रबंधन को पूर्व में हुई चोरी की कोशिश के बाद सुरक्षा उपाय करने के लिए कहा था, लेकिन बैंक प्रबंधन ने ना तो गार्ड लगाया और न ही कोई अन्य सुरक्षा इंतजाम किए, जिससे यह घटना घटित हुई।

उर्स स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई

अजमेर, (कासं)। अजमेर में चल रहे 813 वें सालाना उर्स के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से जायरीन के अजमेर पहुंचने के लिये अब तक कुल 18 उर्स स्पेशल गाड़ियां चलाई जा रही हैं, जोकि ऑनलाइन रिजर्वेशन के लिए सिस्टम पर उपलब्ध है। इस वर्ष उर्स के लिए जिन स्पेशल गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है उनमें अजमेर-बांद्रा, बांद्रा अजमेर, अजमेर-नांदेड़, नांदेड़-अजमेर, तिरुपति-मदार जंक्शन, मदार जंक्शन-तिरुपति, आजमगढ़- मदार जंक्शन, मदार जंक्शन आजमगढ़, अजमेर-काचीगुड़ा, काचीगुड़ा-अजमेर, अजमेर-हैदराबाद, हैदराबाद-अजमेर, अजमेर-तिरुपति, तिरुपति-अजमेर उर्स स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।

पांच किलो गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। अवैध रूप से गांजा परिवहन करते हुए पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पांच किलो गांजा बरामद किया है।

गोगुन्दा थानाधिकारी शैतानसिंह ने बताया कि हैड कांस्टेबल योगेश्वर सिंह, कांस्टेबल शिवसिंह, प्रतापसिंह, योगेन्द्र के साथ लोकल व स्पेशल एक्ट व मादक पदार्थ की रोकथाम के लिए गोगुन्दा, चाटियाखेड़ी गश्त करता हुआ गोगुन्दा से नाल की तरफ जाने वाले रोड पर भाट सेनबोट घाटी पहुंच नाकाबंदी शुरू की। नाल की तरफ से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर एक प्लास्टिक का कट्टा लेकर आता हुआ नजर आया। जिसे रूकवाया तो बाइक सवार व्यक्ति ने बाइक को पहले धीमा किया फिर तेज गति से भगाने की कोशिश की, जिस पर बाइक रूकवाकर उससे पूछताछ की तो अपना नाम वीरमा राम पुत्र होमा गमेती निवासी पुनावली फलां वंशकली माण्डवा होना बताया। वीरमाराम गमेती की बाइक पर प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली तो कट्टे में पांच थैलियों में 5.490 किलो गांजा मिला।

आरोपी वीरमा राम गमेती ने वालू महाराज निवासी काडा ओगणा से गांजा खरीद कर लाना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिससे पूछताछ की जा रही है।

शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के गुडला नदी के आम रोड से बौंली पुलिस ने अवैध रूप से रखी गई देशी शराब के 55 पव्वों के साथ हेवराज गुर्जर निवासी गुडला नदी को गिरफ्तार किया है। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि गठित टीम में शामिल कांस्टेबल गणपत एवं संदीप गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बौंली से मुखबिर ने सूचना दी कि गुडला नदी सड़क मार्ग पर एक व्यक्ति अवैध देशी शराब के कार्टून के साथ कहीं ले जाने की फिराक में खड़ा है। गश्ती दल ने वाहन से मौके पर पहुंचकर गुडला नदी मार्ग पर हेवराज गुर्जर कार्टून के साथ अवैध 55 देशी पव्वों के साथ खड़ा नजर आया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा।

दुकान से घर लौट रहे व्यापारी के साथ लाखों की लूट

8 किलो चांदी, 80 ग्राम सोने के जेवर तथा 1.80 लाख की नकदी लूटी

आसींद, (निसं)। ग्राम पंचायत रतनपुरा से लाछुड़ा के बीच चार-पांच बदमाशों ने ज्वेलर्स व्यवसायी के साथ लूट की वारदात की है।

लूटपाट की घटना में घायल ज्वेलर्स व्यवसायी भेरूलाल सोनी तथा उसके साथ आए परिजनों ने बताया कि वह रतनपुरा चौराहे पर ज्वेलर्स की दुकान करता है। दुकान बंद कर शाम को करीब 7:30 बजे अपने घर की ओर मोटरसाइकिल पर सवार होकर लौट रहा था। इस बीच लाछुड़ा सड़क मार्ग पर उसकी बाइक के सामने एक कार उसका रास्ता रोककर अचानक रूक गई। करीब चार पांच व्यक्ति जो कार में सवार थे, फटाफट नीचे उतरे और उसके साथ छीनाझपटी करने लगे। इस बीच उनके साथ हाथापाई हो गई। उसने बीच बचाव की कोशिश की तो लुटेरों ने उसके साथ मारपीट कर दी तथा उसे कार में उठाकर पटक दिया तथा वहां से एक सूने जंगल में ले गए।

जहां उसके साथ लूटपाट करने लगे तो उसने बचाव की कोशिश की, जिससे उसके सिर हाथ में गंभीर चोटें आई तथा उसे वहां अंधेरे में जंगल में पटक कर भाग निकले। ज्वेलर्स व्यवसायी ने होश संभालते हुए अंधेरे में पैदल चलकर सड़क मार्ग पर पहुंचे तो उनको पता चला कि यह लादुवास गांव का जंगल है। उसने राहगीरों को रोककर मदद मांगी, तो राहगीरों ने बातचीत कर ने इस घटना की पुलिस को जानकारी दी।

ज्वेलर्स व्यवसायी ने बताया कि इस लूटपाट की घटना में लुटेरे उससे करीब 8 किलो चांदी तथा 80 ग्राम सोने की जेवरात तथा एक लाख अस्सी हजार रूपये की नकदी तथा उसके गले में पहनी हुई सोने की चेन तथा सोने की अंगूठी लूट ले गए हैं।

पुलिस ने दो चेन स्नेचर को दबोचा

जुए की लत से कर्जदार बन गये थे दोनों युवक

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। जुए की लत से बने कर्जदार दो युवक अब शातिर अपराधी बन गए हैं। कर्ज उतराने के लिए एक के बाद एक वारदात को अंजाम देकर अपराध की दुनिया में कदम रख चुके युवक शातिर चेन स्नेचर बन गए। बीते दिनों क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में राह चलती एक महिला के गले से झपट्टा मार सोने की चेन तोड़कर फरार हो गए थे।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे और मुखबीर की सूचना पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन भी बरामद कर ली है। सीओ साउथ ओमप्रकाश ने बताया कि 3 जनवरी को लाल कोठी केसरगंज निवासी मंजू देवी पत्नी योगेंद्र कुमार जैन ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह इवनिंग वॉक के लिए घर से निकली थी। इसी बीच दो युवक पैदल-पैदल उसके पीछे चल रहे थे। इनमें से एक युवक ने गले में पहनी सोने की चेन पर झपट्टा मारकर छीन ली और रफूचक्कर हो गए।

पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर शांतिनगर मलूसर निवासी उमेश और रोहित उर्फ गल्ला को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जुए की लत की वजह से दोनों कर्जदार हो गए थे, कर्जा उतारने के लिए चोरी और चेन स्नेचिंग की वारदात करने लगे थे। आरोपियों के खिलाफ वर्ष 2016, 2019 और 2022 में भी चोरी और चेन स्नेचिंग की वारदातें दर्ज हैं। पकड़े गए आरोपियों का नेटवर्क खंगाला जा रहा है। पुलिस को कई और वारदातें खुलने की संभावना है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

अवैध अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। हाइवे पर चैकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को अवैध अफीम परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी चन्द्रशेखर किलानिया ने बताया कि हैड कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह, कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार, रतनलाल, राम सिंह के साथ गश्त करने निकले थे। बाठेड़ा सराय में लगे पुलिस जाब्ते को चैक करने व सर्कल में गश्त करते हुए भमरासिया घाटी पहुँचे, जहां प्रकरण में वांछित आरोपियों की तलाश की जा रही थी। उसी दौरान करीब दोपहर बारह बजे भमरासिया पुलिया के नीचे एक बाइक पर दो व्यक्ति सवार होकर भमरासिया पुलिया के नीचे चितौड़गढ़ से उदयपुर की तरफ वाले रास्ते पर सर्विस रोड पर तेज रफ्तार से निकले और पुलिस जाब्ते को देखकर आंखे चुराते हुए निकले। जिनकी गतिविधी संदिग्ध लगने पर इनका पीछा किया तो न्यू राडाजी रेस्टोरेण्ट भमरासिया पुलिया के आगे उनको रूकवाया। पूछताछ में इन दोनों ने अपना नाम सुरेश पुत्र शंकर गायरी और कालूलाल पुत्र दौला माली निवासी नान्दोली निकुंभ चित्तौड़गढ़ होना बताया। बाइक के बाएं तरफ गियर लीवर के उपर ढक्कन खोलकर प्लास्टिक के डब्बे को खोलकर देखा गया तो प्लास्टिक की दो थैलियां रखी हुई थी, जिसमें अफीम भरी थी। आरोपी सुरेश गायरी व कालूलाल माली ने अफीम को उदयपुर बेचने के लिए जाना बताया। आरोपियों के पास 682 ग्राम अफीम मिली। आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अधेड़ की मौत

उदयपुर, (कासं)। पत्नी के साथ बाइक पर सामाजिक कार्यक्रम से निवृत होकर जाते समय ऑटो ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे अधेड़ की मौत हो गई। नारायणलाल (57) पुत्र फूलाराम मीणा निवासी बुधाखेड़ा कपासन पत्नी लाली बाई के साथ रविवार को छापरी गांव में सामाजिक कार्यक्रम में गया था, जहां से सिंगपुर लौट रहा था। रास्ते में सामने से तेज गति में आए ऑटो चालक ने टक्कर मार दी। दम्पती को स्थानीय चिकित्सालय लेकर गए, जहां से नारायणलाल की स्थिति गंभीर होने पर एमबी चिकित्सालय रैफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान अधेड़ ने दम तोड़ दिया।

ऑनलाइन गेमिंग के बहाने ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

उदयपुर, (कासं)। शहर की स्पेशल टीम और हिरणमगरी थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो भोले-भाले लोगों ऑनलाइन गेमिंग खिलाने और उनके दस्तावेज प्राप्त कर उनके नाम से खाते खुलवाकर ठगी के पैसों को उनके खातों में मंगवाकर ऐश करते हैं। इस गिरोह में एक महिला है, जो एक निजी बैंक में जॉब करती है और वह बैंक में रहकर लोगों के खातों की डिटेल व हस्ताक्षर के नमूने अन्य आरोपियों को देती है। साथ ही भोले-भाले लोगों के नाम से बैंक में खाते भी खुलवाती है।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि पुलिस मुख्यालय ने साईबर अपराधों की रोकथाम के लिए एक विशेष अभियान ऑपरेशन साईबर शील्ड चलाया जा रहा है। इसमें गठित टीम को सूचना मिली कि एक महिला सहित तीन लोग भोले-भाले लोगों से दस्तावेज लेकर उनके नाम से बैंक में खाते खुलवाकर ठगी का पैसा इन लोगों के अकांउट में मंगवाकर धोखाधड़ी करते हैं। ये बदमाश कार लेकर भाग रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर एक कार सवार एक युवती सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम आयुष पुत्र गिरीराज, पूजा पुत्री प्रभुराम और राजेन्द्र कुमार पुत्र करताराम बताया है।

- महिला बैंककर्मी भी गिरफ्तार

पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी भोले-भाले लोगों को लालच देकर अवैध रूप से संचालित गेमिंग वेबसाइट पर क्रिकेट तथा अन्य खेलों पर सट्टे का दाव लगवाने के लिए प्रेरित करने एवं दाव पर लगाए रूपयों को अन्य आम व्यक्तियों को धोखे में रख उनके नाम पर खुलवाए गए बैंक खातों में डलवा कर ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से साइबर ठगी करने में प्रयुक्त लेपटॉप, मोबाइल, सैकड़ों की तादाद में सिम व विभिन्न फर्मों की मोहरें, चैक बुकें, एटीएम कार्ड व फर्जी खाता धारकों की पासबुक इत्यादि सामग्री पाई गई।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की ओर से अजमेर दरगाह में चादर पेश

देश एवं प्रदेश में अमन चैन एवं खुशहाली की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813वें सालाना उर्स के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं नेशनल कांफ्रेंस के सदर डॉ. फारूक अब्दुल्ला की तरफ से सोमवार को ख्वाजा साहब के आस्ताने शरीफ में मखमली चादर एवं अकीदत के फूल पेश कर देश एवं प्रदेश में अमन चैन एवं खुशहाली की दुआ की।

- खादिम सैयद फकरे मोइन चिश्ती एवं सैयद दानिश मोइन ने चादर पेश कराई

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला की चादर नेशनल कांफ्रेंस जम्मू के सदर शौकत अहमद मीर एवं डॉ. उमर फारुकी की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल लेकर अजमेर पहुंचा। खादिम सैयद फकरे मोइन चिश्ती एवं सैयद दानिश मोइन ने दस्तारबंदी कर चादर पेश कराई। दरगाह में बुलंद दरवाजे पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं नेशनल कांग्रेस के सदर डॉ. फारूक अब्दुल्ला की ओर से भेजा संदेश को पढ़कर सुनाया गया।

संदेश में देशवासियों को ख्वाजा साहब के 813 उर्स की मुबारकबाद देते हुए कहा कि हमारे देश एवं प्रदेश में अमन-चैन खुशहाली भाईचारा बना रहे और ख्वाजा साहब के सूफीवाद के माध्यम से आपस में प्यार मोहब्बत से रहे। हम सबको उनके बताएं मार्ग चलने की जरूरत है, देश में अंदरुनी एवं बाहरी ताकतें नफरत फैलाने का प्रयास कर रही है उनके मंसूबे कतई कामयाब ना हों, जम्मू-कश्मीर में तरक्की करे और सूबे में खुशहाली हो।

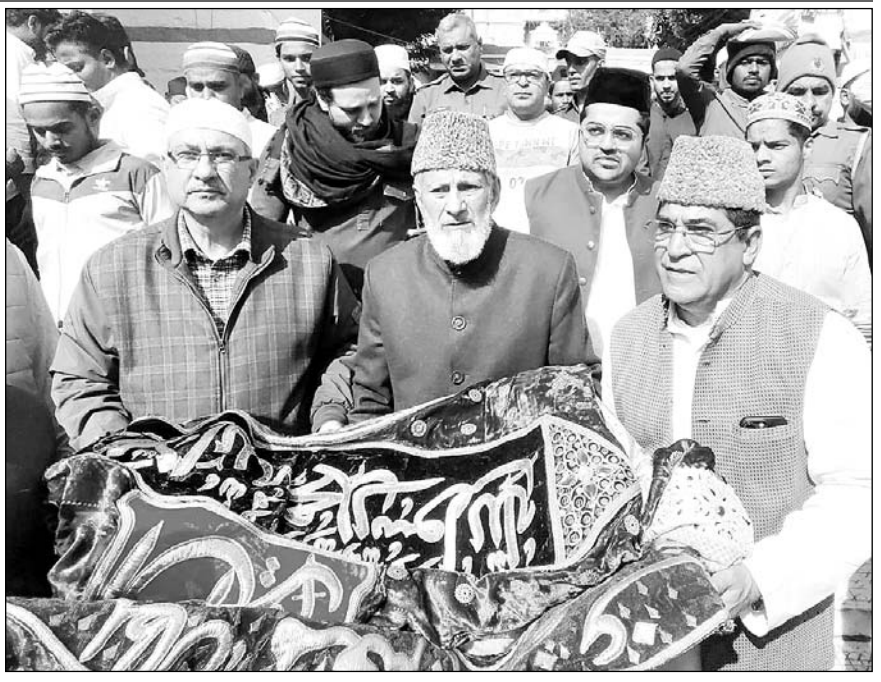
मुख्यमंत्री अब्दुल्ला की ओर से चादर नेशनल कांफ्रेंस जम्मू के सदर शौकत अहमद मीर एवं डॉ. उमर फारुकी की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल लेकर अजमेर पहुंचा।

शमशान घाट पर शव के अंतिम संस्कार को लेकर हंगामा

लोगों ने गेट पर ताला लगाया, शव को सड़क पर लेकर बैठे परिजन

पावटा, (निसं)। ग्राम भांकरी के बाबा गोपालदास स्थान के पास कई वर्षों पुराना शमशान घाट है, जहां शमशान घाट में जाने के लिए एकमात्र रास्ता है, जिसे लेकर सोमवार को शव के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

ग्राम भांकरी में एक अधेड़ की मौत के बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने शमशान घाट पहुंचे, जहां पर मुख्य गेट पर ताला लगा था। इस पर शव रखकर परिजन व ग्रामीण तीन घंटे तक इंतजार करते रहे, लेकिन ताला नहीं खोला गया। इसकी सूचना मिलने पर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार, गिरदावर मौके पर पहुंचे। लंबी जद्दोजहद के बाद घाट का ताला खुलवाया गया। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

- प्रशासन ने दोनों पक्षों से समझाइश कर इस तरह की लापरवाही नहीं बरतने की नसीहत दी

जानकारी के अनुसार भांकरी निवासी भगवान सहाय का सोमवार को निधन हो गया था। सोमवार को परिजन शव का अंतिम संस्कार करने समाज के शमशान घाट गए। वहां देखा तो मुख्य गेट पर ताला लगा था। इस पर शव रखकर लोग काफी देर तक इंतजार करते रहे, लेकिन आधे घंटे बाद ताला नहीं खुलने पर पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार व गिरदावर शशिधर यादव मौके पर पहुंचे और समझाइश की गई। शमशान का ताला नहीं खुलने से नाराज हुए मृतक के पुत्र दाताराम, जगन, सुरेश, विक्रम व ग्रामीण मुखराम धनखड, सुल्तान टोकस, हेमंत धनकड़, कैलाश धनकड़, हरिसिंह वकील, बाबूलाल धनकड़, धर्मचंद, हवासिंह, कुलदीप, सांवलराम सहित समाज के लोग व ग्रामीण शव को सीसी रोड के बीच लेकर बैठ गए व आक्रोश जताया।

इस पर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार व गिरदावर शशिधर यादव ने ताला खुलवाने का आश्वासन दिया। करीब तीन घंटे बाद प्रशासन की मौजूदगी में शमशान घाट का ताला खोला गया। इस दौरान प्रशासन ने दोनों पक्षों के लोगों से समझाइश करते हुए भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं बरतने की नसीहत दी। शाम सात बजे शव का अंतिम संस्कार किया गया।

एस.आई. भर्ती को लेकर स्थिति स्पष्ट करे राज्य सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक से जुड़े मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए दो दिन का समय देते हुए भर्ती को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। अदालत ने कहा है कि गत 18 नवंबर को भर्ती पर दिए यथास्थिति के आदेश की पालना होनी चाहिए और यदि ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग दी गई तो वह अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा। अदालत ने राज्य सरकार को हिदायत दी है कि वह यथास्थिति आदेश को बरकरार रखे और भर्ती को लेकर कुछ भी नहीं करें, वरना अदालत इसे गंभीरता से लेगी। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका व डीजीपी की ओर से गत 31 दिसंबर को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिले आवंटित करने के आदेश के खिलाफ पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **अदालत ने कहा है कि गत 18 नवंबर को भर्ती पर दिए यथास्थिति के आदेश की पालना होनी चाहिए**
- **'यदि ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग दी गई तो वह अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा'**

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद से कहा कि जब 18 नवंबर को भर्ती पर यथास्थिति दी गई तो फिर ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग कैसे दी जा सकती है। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूर्व में ही पूरी हो चुकी है और अब ट्रेनी एसआई को आरपीए ट्रेनिंग के बाद फील्ड ट्रेनिंग के लिए भेजा जा रहा है। यह भी मूल ट्रेनिंग का ही हिस्सा है। एजी ने कहा कि करीब 800 ट्रेनी हैं, इसमें से कुछ गलत हो सकते हैं, लेकिन इस आधार पर सभी को ट्रेनिंग से नहीं रोक सकते। इस पर अदालत ने कहा कि 22 नवंबर को उन्हें भर्ती के संबंध में निर्णय लेने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, लेकिन अब छह सप्ताह बाद भी राज्य सरकार का जवाब नहीं आया है। इसके जवाब में महाधिवक्ता ने कहा कि भर्ती को लेकर बडे स्तर पर विचार विमर्श चल रहा है, और जवाब के लिए समय दिया जाए। अदालत ने राज्य सरकार को दो दिन का समय देते हुए सुनवाई 9 जनवरी को तय की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि महाधिवक्ता जब भर्ती को रद्द करने की राय दे चुके हैं तो मामले में पैरवी कैसे कर सकते हैं। वहीं प्रार्थियों के अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने कहा कि पुलिस विभाग ने भर्ती पर यथास्थिति आदेश के बाद भी 31 दिसंबर को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिला आवंटित करने के लिए कहा है। यह आदेश अदालती अवमानना है। मूल याचिका में पूरी भर्ती को ही रद्द करने का आग्रह किया है। सरकार ने अदालत के समय देने के बाद भी भर्ती को लेकर अपनी स्थिति नहीं बताई और ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग में भेज रहे हैं जो गलत है।

मौसम विभाग ने सोमवार को जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था जिसका जयपुर में भारी असर दिखाई दिया। कोहरे के कारण वाहनों की लाइट जलाने के बाद भी विजिबिलिटी बहुत कम होने से वाहन रेंग-रेंग कर चलते नज़र आये।
फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

ज्ञान का सम्वर्धन करती है मथुरा लीला : मृदुल कृष्ण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विद्याधर नगर में सपत्नीक सुप्रसिद्ध कथा वाचक मृदुल कृष्ण महाराज की भागवत कथा का श्रवण किया।

जयपुर। गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 26 वें वार्षिकोत्सव पर तक विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे स्थित प्रांगण में चल रही 108 विशाल श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन सोमवार को व्यासपीठ से आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज ने कहा कि प्रभु श्री कृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्धकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है यानि यह कहा जाए कि मथुरा लीला ज्ञान का संवर्धन करती है।

जिस ज्ञान के माध्यम से जीव पूर्ण ब्रम्हा श्रीकृष्ण से साक्षात्कार करता है। मथुरा लीला प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में अज्ञान रूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का सम्बर्धन किया। यहाँ तक कि साक्षात् बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्ति का चादर उड़ाकर परिपूर्ण किया। स्वयं परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरू सान्दीपनि के सान्निध्य में चैसठ दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। अत: प्रभु की मथुरा लीला श्रवण करने मात्र से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है। उन्होंने बताया कि यदि बिद्यार्थी अपने अध्ययन काल में यदि प्रभु की मथुरा लीला को श्रवण करता है तो निश्चित रूप से विद्या के क्षेत्र में उसे अभूतपूर्व सफलता प्राप्त होती है। विशेष महोत्सव के रूप में श्री रूक्मिणी विवाह महोत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। इस प्रसंग पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि श्री रूक्मिणी जी ने अपने जीवन में किएहुए सत्कार का फल केवल प्रभु को ही माँगा। जिसको कि प्रभु श्री द्वारिकाधीश ने स्वयं रूक्मिणी के कुणिनपुर जाकर रूक्मिणी को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। यह पवित्र प्रसंग हम सबको शिक्षा प्रदान करता है हमें जीवन में किये हुए सत्कार के फल के रूप में प्रभु की ही आचना करनी चाहिए। इस अवसर पर श्री गोविन्द देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने भी कथा का श्रवण किया और सम्मान स्वरूप आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज को चित्र भेंट किया। मुख्य यजमान मदन मोहन सोमानी व वरुण सोमानी ने बताया कि महोत्सव के तहत मंगलवार को महोत्सव के अंतिम दिन सुदामा चरित्र व नवयोगेष्वर संवाद के बाद पुष्प होली महोत्सव मनाया जाएगा।

कानूनों का प्रदेश में हो रहा प्रभावी क्रियान्वयन : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में लागू तीन नवीन कानूनों में सजा की तुलना में न्याय पर अधिक जोर दिया गया है। नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम हमारे संविधान की मूल भावना के अनुसार बनाए गए हैं। ये कानून आमजन को शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

- **'नए आपराधिक कानून शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका'**

मुख्यमंत्री के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल रहा है। साथ ही पीड़ित को अपने साथ हुए अपराध की रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के थाने में दर्ज कराने की बाध्यता से मुक्ति मिली है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नवीन आपराधिक कानूनों के राजस्थान में क्रियान्वयन तथा प्रचार-प्रसार के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा राज्य सरकार प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा जनता को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों को लागू करने में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों का प्रदेश में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है और इनके प्रचार-प्रसार में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। आमजन को इनकी जानकारी देने के लिए राज्य सरकार कई कदम उठा रही है। राज्य की 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से नए कानूनों की जानकारी दी गई है। साथ ही, प्रदेश में महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के बारे में पुस्तकें तैयार करवाकर वितरित की गई है।

गंगापुर सिटी 'जिले' के दर्जे को खत्म करने के खिलाफ याचिका पेश

जयपुर। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से बनाए जिले गंगापुर सिटी के जिले का दर्जा रद्द करने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। जिस पर हाईकोर्ट की खंडपीठ आगामी दिनों में सुनवाई करेगी। कांग्रेस के नेता रामकेश मीणा व अन्य की ओर से दायर इस जनहित याचिका में मुख्य सचिव सहित अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया है कि गंगापुर सिटी को जिले का दर्जा निर्धारित मापदंड के तहत दिया गया था। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद जिलों को लेकर राजनीति शुरु हुई और अब राजनीतिक द्वेषता के चलते ही कुछ जिलों का दर्जा समाप्त कर दिया गया है। गंगापुर सिटी से जिला का दर्जा समाप्त करने के पीछे भी सरकार की राजनीतिक द्वेषता ही है। याचिका में कहा गया कि सरकार ने करीब डेढ साल पहले गंगापुर सिटी को जिला बनाया था और उसके बाद यहां कई प्रशासनिक नियुक्तियां हो चुकी हैं। वहीं विभाग भी बतौर जिला स्तर पर काम कर रहे हैं। कमेटी ने लोगों से आपत्तियां मांगने के बाद इसे जिला घोषित किया था। ऐसे में अब महज राजनीतिक द्वेषता के चलते इसे जिला निरस्त करना गलत है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अगस्त, 2023 में 3 नए संभाग और 19 जिलों का गठन किया था।

जयपुर के राजापार्क गुरूद्वारे में गुरू गोबिन्द सिंह जयंती पर विशेष रूप से सजाया गया और विशेष पूजा की गई। वहीं सुबह से ही अटूट लंगर बरताया गया।

परंपरागत जलस्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें : दिलावर

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलवर ने कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें।

दिलावर आज सोमवार को शिक्षा संकुल में आयोजित जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परंपरा गत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुन: सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रुप में लें। साथ ही इनमें पानी की आवक के रास्ते बनाने, नियमित साफ सफाई करने जैसे कार्य इसी वित्तीय वर्ष में करने के निर्देश दिए।

विभाग के कार्यों के संचालन के लिए बनाई गई कमेटियों को क्रियाशील करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने डिग्गी-मालपुरा में तालाब की डीपीआर शीघ्र बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके अलावा भी बड़े गड्ढों को तालाब के रूप में परिवर्तित किया जाय ताकि जल का ज्यादा से ज्यादा संग्रहण किया जा सके।नदियों के किनारे भूमि कटाव को भी रोका जाय।

उन्होंने विभाग द्वारा बनाये गए 75 अमृत सरोवर, 863 एनीकट की विस्तार से जानकारी ली।उन्होंने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के जरिए कृषि उत्पादन बढ़ाने ,होर्टीकल्चर गतिविधियों के माध्यम से प्लांटेशन करने फलदार पौधे लगाने, घास उत्पादन बढ़ाने, ड्रिप सिस्टम लगाने एवं आमजन से सजीव सम्पर्क बनाये रखने के लिए अधिकारियों को समय-समय पर गांवों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए।

इस बैठक में विभाग के आयुक्त श्रीराम मीना एवं अधिकारी उपस्थित थे।

दिलावर ने विलायती बबूल के बढ़ते हुए फैलाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की इसको समूल नष्ट करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्ययोजना अतिशीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।

- **परंपरा गत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रुप में लेने के निर्देश**

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसी वित्त वर्ष में लक्ष्य लेकर प्रदेश के 220 एनीकेट और 50 बावड़ियों का जीणोद्धार करवाया जाए। और 31 मार्च तक इस को पूर्ण किया जाए।

28 फरवरी तक बनेंगे वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शिक्षा मंत्री श्री दिलावर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में आपके प्रोजेक्ट में 1885 पंचायतें है। इन सभी पंचायतों के भवनों एवं इनके अंतर्गत आने वाले सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 28 फरवरी तक वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम रिचिंग सॉफ्ट के साथ बनाए जाए।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज यहां वाटरशेड के अधिकारियों की बैठक में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारी आवश्यक रूप से गांव में रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हो। दिलावर ने कहा कि पूर्व में भी इस बाबत निर्देश जारी कर दिए गए थे किंतु लगता है अभी तक अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। मंत्री ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि आपके पास सरकारी वाहन है। सुविधाएं हैं, फिर भी आप ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड में प्रवास नहीं कर रहे हैं। तो फिर गाड़ी की क्या आवश्यकता है। क्यों ना आप से गाड़ी वापस ले ली जाए। मंत्री ने कहा कि अगली बैठक में जब हम मिले तो मुझे फील्ड की पूरी रिपोर्ट चाहिए।

सभी अंग्रेजी मीडियम स्कूल बंद नहीं होंगे : जोगाराम पटेल

जयपुर। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि कांग्रेस राज में खुले सभी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को बंद नहीं किया जाएगा। समीक्षा के बाद जो अंग्रेजी मीडियम स्कूल सही है। उनको बरकरार रखेंगे।

जोगाराम पटेल ने कहा कि अगर अंग्रेजी स्कूल जनहित के हैं, उनकी केवल समीक्षा होगी। कांग्रेस को चिंता नहीं करनी चाहिए। अंग्रेजी माध्यम का स्कूल सीरियसली अंग्रेजी माध्यम का हो। उसमें अंग्रेजी विषय के टीचर हों। ऐसी शिकायतें आई थी कि हिंदी मीडियम के स्कूल पर केवल अंग्रेजी माध्यम के स्कूल का बोर्ड लगा दिया। उन स्कूलों में न अंग्रेजी शिक्षकों की व्यवस्था की, न अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई हुई। अंग्रेजी स्कूलों की समीक्षा की जाएगी। जो जरूरी होगा उनको रखा जाएगा।

जयपुर फैशन एक्सपो 2025 का पोस्टर विमोचन

जयपुर। जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापूरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 इंटरनैक्शनल फैशन के कलर फुल ड्रेस के साथ आयोजित किया जायेगा। मीडिया प्रभारी मोहित टेलर ने बताया इस एक्सहिबिशन में ब्लैक एंड वाइट थीम और पेस्टल कलर चार्ट के साथ गोटा पत्ती और सिक्वेंस स्ट्रिप प्रिंट, ब्राइबेंट् कलर , बगरू प्रिंट , सांगानेरी प्रिण्ट से बने परिधान रैंप शो केश किया !फैशन के मिश्रण के माध्यम से एथनिक और फ्यूजन वियर श्रेणी के तहत डिजाइनर अनारकली , कुर्तियों, प्लाजो सूट सेट, इण्डो वेस्ट्रन लहंगा, कुर्तीस ब्लाउज सेट आदि डिस्प्ले किये जायेगे।

पोस्टर विमोचन में गारमेंट क्लब के अध्यक्ष दीपक जैन , सेक्रेटरी अशोक गुप्ता ,भाजपा प्रदेश प्रभारी अशोक सैनी, शंकर जोशी ,सिद्धार्थ जैन,केशव शुक्ला,किशनचंद, आदि मौजूद रहे।

- **जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापुरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 आयोजित किया जायेगा**

इस एग्जीबिशन में देश-भर के गारमेंट एजेंट्स भी शामिल है ,जयपुर के अनुभवी गारमेंट मैन्युफैक्चरर अपनी अपनी गारमेंट स्टॉल के माध्यम से अपना अपना कलेक्शन के माध्यम से बायर से ऑर्डर लिए जायेगे।

यहां इस ऐग्जीबिशन में नेपाल,यूएसए,लंदन,बंगलौर,हैदराबाद ,चेन्नई,अहमदाबाद,भोपाल,उड़ीसा, छत्तीसगढ़ ,दिल्ली, गोवा , रायपुर ,कोटा, भीलवाड़ा ,इन्दौर,आसाम , कलकत्ता आदि जगह से कस्टमर ने होलसेल में सभी मैन्युफैक्चर को ऑर्डर दिया जाएगा।

ये एक्ज़ीबिशन मैन्युफैक्चर टू होलसेलर के लिए रखा जाएगा। इस एक्ज़ीबिशन के माध्यम से सीतापुरा और मानसरोवर के टॉप 60 मैन्युफैक्चर को काफ़ी ऑर्डर मिलने की संभावना है। इस फेयर में अनुमानित 2000 होलसेलर कस्टमर आयेगे। इस एग्जीबिशन में कॉटन ,रेयोन, शिफ़ॉन,जोरजट,सिल्क से बने कुर्तिस, स्कर्ट, प्लाज़ो सेट, अनारकली, जम्पसूट्स इण्डियन एंड वेस्ट्रन परिधान डिस्प्ले किया जाएगा।

दिया कुमारी ने गुरु गोबिंद सिंह की ऐतिहासिक तलवार की पूजा-अर्चना की

जयपुर। सिक्खों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर आज उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर के सिटी पैलेस में विराजमान गुरु जी की ऐतिहासिक तलवार की भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा गुरु गोबिंद सिंह जी का त्याग, बलिदान और शौर्य की गाथा हम सबको सदैव प्रेरित करती रहेंगी। इसके बाद शबद कीर्तन का आयोजन किया गया।

गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर यह तलवार सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में आगंतुकों, पर्यटकों और आमजन के दर्शन के लिए रखी गई है।

गौरतलब है कि गुरु गोबिंद सिंह ने कुछ समय नाहन (सिरमौर जिला, हिमाचल प्रदेश) में व्यतीत किया था। तब नाहन छोड़ते समय उन्होंने अपनी निजी तलवार तत्कालीन शासक को स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की थी। राजमाता पद्मिनी देवी, जो कि नाहन से हैं, कुछ वर्ष पहले तलवार को जयपुर लेकर आई थीं।

सिक्खों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर आज उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

भाजपा जयपुर शहर जिले के 13 मंडल अध्यक्ष घोषित

जयपुर। भाजपा के संगठन पर्व के तहत आज जयपुर शहर जिला के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के मंडल अध्यक्षों एव मंडल प्रतिनिधियों का निर्वाचन किया गया है। आमेर में मंडल अध्यक्षरामचंद्र सैनी, मंडल प्रतिनिधि रामजीलाल गुर्जर, जवाहर नगर में मंडल अध्यक्षओम हरजानी, मंडल प्रतिनिधि प्रमोद बंसल, सूरजपोल में मंडल अध्यक्ष विनय कुलवाल, मंडल प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह राजावत, पोण्डरिक मंडल अध्यक्षप्रेमचंद सैनी, मंडल प्रतिनिधि राममणि तिवारी, जोहरी बाजार मंडल अध्यक्षदीपक शर्मा, मंडल प्रतिनिधि श्याम गोडीवाल, मालवीय नगर मंडल अध्यक्षहरिश खाडिया, मंडल प्रतिनिधि अमिता शर्मा, महेश नगर में मंडल अध्यक्षदीनदयाल सैनी, मंडल प्रतिनिधि रेखा तिवाडी, राजापार्क मंडल अध्यक्षमोहित मूलचंदानी, मंडल प्रतिनिधि पूनम कल्ला, शास्त्री नगर मंडल अध्यक्षगजानंद योगी, मंडल प्रतिनिधि हर्षवर्धन शर्मा, प्रताप नगर मंडल अध्यक्षअजय पारीक को बनाया।

'साहित्य समाज को संवेदनशील बनाता है'

जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा है कि साहित्य समाज को संवेदनशील और सहिष्णु बनाता है एवं सामाजिक बुराइयों के प्रतिकार के लिए प्रेरित करता है। वे "शब्द संसार" के तत्वावधान में प्राकृतिक योग आश्रम में वरिष्ठ लेखिका डॉ. सुषमा शर्मा की साहित्य समीक्षा की पुस्तक "कुछ कही, कुछ अनकही, अनसुनी" के लोकार्पण अवसर पर अध्यक्ष के रूप में बोल रहे थे। बहुभाषाविद डॉ, नरेन्द्र शर्मा कुसुम मुख्य अतिथि थे।

आफरीदी ने कहाकि साहित्य में आलोचना का विशेष महत्व है। इससे रचनाकार की कृति का सही मूल्यांकन होता पाठकों में अभिरुचि जगाता है। आलोचक की सही और निष्पक्ष समीक्षा लेखक के सृजन को मान्यता देती है। आज के लेखकों की प्रायोजित समीक्षाएं पाठकों का भरोसा तोड़ती हैं और यह साहित्य के साथ छल है।

सार-समाचार

वैंकटेश बालाजी पीठ लोहार्गल धाम में कथा संपन्न

उदयपुरवाटी । शेखावाटी के प्रसिद्ध तीर्थ लोहार्गल धाम की सिद्ध पीठ वैंकटेश बालाजी मठ में चल रही श्री वैंकटेश दिव्य कथा संपन्न यहा के पीठाधीश्वर स्वामी अश्विनी आचार्य महाराज ने बताया की उत्तर भारत में राजस्थान की शेखावाटी की लोहार्गल की वैंकटेश बालाजी की प्रधान पीठ में पहली बार श्री वैंकटेश कथा का आयोजन हुआ। इस कथा को व्यास पीठ पे विराजमान हो के पंडित रवि शास्त्री ने कथा का वाचन किया। तीन दिन की इस कथा में अंतिम सत्र में गोदा रंगनाथ व लक्ष्मी वैंकटेश बालाजी और रामानुज स्वामी की कथा और कल्याण विवाह उत्सव संपन्न करवाया। इस आयोजन में स्वामी अश्विनचार्य महाराज ने कथा का महत्व बताया और वैंकटेश पीठ पे आए हुए सभी भगतो को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया हजारो भक्तो ने आनंद लिया।

डॉ बीएल का समाज ने किया अभिनंदन

तारानगर । राजकीय भरतीया अस्पताल के डॉ बीएल नायक को आईएमए राष्ट्रीय प्रेसिडेंट सराहना अवॉर्ड मिलने पर तारानगर के नायक समाज की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। मिली जानकारी के अनुसार तेलगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की 99वीं ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व जनसेवा के केंद्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन चूरू के पूर्व अध्यक्ष डॉ बी एल नायक को आईएमए राष्ट्रीय प्रेसिडेंट सराहना अवॉर्ड से सम्मानित किया। जिस पर राजस्थान सचिव अंबेडकर समाज सेवा समिति लइच्छुराम, हेमाराम नायक देवगढ, संजय नायक जालीपुरा, दुर्गाराम खरतवास, नरेंद्र अड़िया गोदास सहित समाज के प्रतिनिधियों ने डॉ नायक का अभिनंदन किया तथा उनकी उल्लेखनीय सेवाओं को अनुकरणीय बताया।

पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन

उदयपुरवाटी (निसं) ।कस्बे में घूम चक्कर के पास वार्ड नंबर 10 में कुआं लाख्याहाली पर स्थित शिवालय मंदिर के पास सोमवार को पूर्व पार्षद औनाड सिंह सैनी के सानिध्य में पौषबडा प्रसादी का आयोजन किया गया ओम प्रकाश सैनी बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान के भोग लगाकर पैदल राहगीरों एवं दुपहिया वाहन चालकों को पौषबडा प्रसादी वितरित की गई प्रसादी का कार्यक्रम सुबह से लेकर शाम तक जारी रहा प्रसादी के दौरान लोगों को गरमा गरम दाल की पकौड़ी खिलाई गई इस दौरान पूर्व पार्षद औनाड सिह सैनी, ओम प्रकाश सैनी बागड़ी, सुमेर सिंह सैनी, कैलाश बागड़ी, मोहित सैनी, मोतीलाल, धोलू राम, रामकिशोर डीगवाल, कालूराम सैनी, पंकज सैनी, अमित सैनी, दीपचंद असवाल, रामलाल सैनी सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे

छात्रा को मिलेगा गोल्ड मेडल

राजस्थान, (निसं)। बीएड कॉलेज सादुलपुर की छात्रा रितिका शुक्ला का दो वर्षीय पाठ्यक्रम में यूनिवर्सिटी टॉप करने पर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा स्वर्ण पदक के लिए चयन किया गया है। संस्थान प्रबंध निदेशक डॉ दीपचंद साहू ने बताया कि 11 जनवरी 2025 को विश्वविद्यालय में आयोजित नवम दीक्षांत समारोह में राजस्थान के माननीय राज्यपाल द्वारा छात्रा रितिका शुक्ला को स्वर्ण पदक, प्रशस्ति और मानद डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रसायन विज्ञान के व्याख्याता संजय शुक्ला की पुत्री छात्रा रितिका शुक्ला बीएससी में भी श्रीराम पीजी कॉलेज की टॉपर विद्यार्थी रही है और वर्तमान में भारतीय रेलवे में कार्यरत है।

पेड़ा भंडार की दुकान के पास बढ़ाई सुरक्षा

चिड़ावा। शहर की रेलवे स्टेशन रोड पर पंचायत समिति के सामने स्थित प्रसिद्ध लालचंद पेड़ा भंडार पर फायरिंग के मामले में पुलिस काफी सावचेती बरत रही है। इसी को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की समय समय पर समीक्षा भी हो रही है। शहर के पिलानी झुंझुनूं सड़क मार्ग पर स्टेशन रोड स्थित इस प्रतिष्ठान पर हुई फायरिंग की घटना के बाद से ही दुकान और व्यापारी के घर व गोदाम के बाहर हथियारबंद पुलिस जवानों का जब्ता 24 घंटे तैनात है। सोमवार को पुलिस ने स्टेशन रोड पर दुकान के सामने सुरक्षा बढ़ाते हुए दुकान के दोनों तरफ मुख्य सड़क मार्ग पर बेरीकेडिंग कर दी है। सीआई विनोद सामरिया ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि से बेरिकेड्स लगाए गए हैं। फायरिंग मामले में कुछ गिरफ्तारी अभी तक हुई है। फिलहाल पुलिस टीमें मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी होगी।

शैक्षिक सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा

पाटन । डॉ. भीमराव अंबेडकर छात्रावास, पाटन में राज-शिक्षक संघ (अंबेडकर) ब्लॉक की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष महावीर प्रसाद वर्मा और जिला अध्यक्ष रमेश कुमार वर्मा ने की। बैठक में आगामी राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन की पूर्व तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। ब्लॉक कोषाध्यक्ष हजारीलाल ने सत्र 2023-24 के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए संघ की आर्थिक स्थिति पर जानकारी दी।इस अवसर पर सक्रिय कार्यकर्ता विजयकुमार , रोहिताश कटारिया, रामजी लाल , मदन लाल , बिंटू , सुरेश जिदोंलिया, परमानंद पी. और राजेंद्र दीपक ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और सम्मेलन की सफलता के लिए अपने विचार साझा किए।बैठक में सभी सदस्यों ने आगामी सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। सम्मेलन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया।

प्रिया राठौर बनी राजस्थान मॉडल ऑफ़ द ईयर

कोलसिया। बेटी फाउंडेशन सहित अन्य संगठनों की ओर से मिस एंड मिसेज इंडिया मॉडल ऑफ द ईयर का आयोजन एक रेसोर्ट में हुआ। मिसेज केटेगरी में मिसेज इंडिया राजस्थान मॉडल ऑफ द ईयर प्रिया राठौर रही। मिसेज इंडिया फर्स्ट रनर अप उत्तरा मीना, मिसेज इंडिया सेकंड रनर अप मंजू चौधरी रही। विजेताओ को पुरस्कृत किया गया। आयोजन राहुल शर्मा और राज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की ब्रांड एम्बेसडर पूजा शर्मा, मुख्य अतिथि राजेश सैनी और रामबाबू सैनी रहें।

प्रतियोगिता में एनसीसी नवलगढ़ विजेता रही

कोलसिया। कोलसिया की श्री सीताराम शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में चल रही भारत प्रीमियर लीग 2025 क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ।प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एनसीसी नवलगढ़ व कुशलपुरा के मध्य हुआ। जिसमें फाइनल मुकाबले में एनसीसी नवलगढ़ विजेता रहीं।पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सरपंच पति महेश पारीक थे।अध्यक्षता भामाशाह हेमंत दूत ने की। महेश पारीक ने कहा कि हार और जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं, प्रतियोगिता में जिस भी टीम को हार मिली है वह निराश नहीं हो निरन्तर अभ्यास करते रहे उनको भी जीत जरुर मिलेगी।कार्यक्रम में युवा नेता कमल कालेर, प्रविण मीणा,पंकज सुनिया, कपिल कुमावत,नरेश कुमावत,सुरेन्द्र दूत,आदि मौजूद थे।

क्षितिज कुमार आज कोलसिया आएंगे

कोलसिया । हिंदी व राजस्थानी फ़िल्म बावलियो पंडित के अभिनेता व फ़िल्म निदेशक क्षितिज कुमार आज मंगलवार को कोलसिया आएंगे।डीपी सिंह दूत ने बताया कि इस दौरान वे पारस देवी प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई जा रही राजस्थानी फ़िल्म पॉइंट जीरो की शूटिंग के लिए कमलवाणी एफएम रेडियो सेंटर पर वार्तालाप करेंगे।इसके बाद गांव के खेल मैदान,श्याम विला,मंदिर आदि स्थानों की लोकेशन देखेंगे।इसके बाद वे बावलिया बाबा निर्वाणोत्सव में शामिल होने के लिए बुगाला जाएंगे।

दुष्कर्म के आरोपी को जेल भेजा

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता को घर में अकेला देखकर उसको डरा धमकाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी युवक भींयाराम मेघवाल को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। वहीं न्यायालय ने आरोपी युवक को बीकानेर जेल भेजने के निर्देश दिए। थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता अपने छोटे बच्चों के साथ घर में अकेली थी। पति तेलंगाना काम के सिलसिले में गया हुआ था। पीछे से गांव का ही युवक जबरन घर में घुस गया और विवाहिता को डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। वहीं रावलामंडी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 में एक नाली में भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई।

गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती मनाई

रतनगढ़,(निसं)। भारत विकास परिषद् , शाखा - रतनगढ़ द्वारा आज नवोदयन एकेडमी, रतनगढ़ में हिन्दू धर्म रक्षक गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती मनाई गई। परिषद् के संस्कृति सप्ताह के दौरान मां सरस्वती व गुरु गोविंद सिंह जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि से शुरू हुए कार्यक्रम में मंच पर मंचासीन अतिथि के रूप में मंजुला चाकलान, दीपिका शर्मा, रेणु पारीक व सरिता चांडक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को प्रान्तीय उपाध्यक्ष वासुदेव चाकलान, संरक्षक मदनलाल कम्मा व विनोद कुमार वर्मा ने संबोधित किया। परिषद् के सम्मानित सदस्य डाक्टर ओमप्रकाश सांखोलिया ने कविता पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण टेलर, सचिव परमेश्वर लाल आत्रेय,पवन माटोलिया, कमलेश दत्त शर्मा, एडवोकेट जयकांत बिंवाल,सत्यनारायण सेवदा, रामोतार चांडक, भंवरलाल टेलर,पवन कुमार महर्षि, संस्था निदेशक रामचन्द्र पारीक, राजेंद्र भारद्वाज,ओम मनोहर स्वामी , संदीप शर्मा छात्र - छात्रा सहित कई परिषद् सदस्य उपस्थित रहे।मंच संचालन वित्त सचिव शैलेश कुमार शर्मा ने किया।

नीमकाथाना जिला हटाने के विरोध में धरना जारी, सातवें दिन भी बैठे भूख हड़ताल पर

पाटन । नीमकाथाना को जिला बनाए जाने के निर्णय को पलटने के विरोध में धरना सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन में विधायक सुरेश मोदी भी शामिल हुए और उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। इस दौरान तहसील अध्यक्ष आदिवासी समाज हरीराम मीणा, पी.एस. मीणा, राधेश्याम मीणा, विजय सिंगल, और रामचंद्र जाखड़ समेत कई नेताओं ने नीमकाथाना जिले को बहाल रखने की मांग की।

विधायक सुरेश मोदी ने भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया।

■ आंदोलन ने पकड़ी रफ्तार

नीमकाथाना को जिला बनाए जाने के निर्णय को पलटने के विरोध में धरना सातवें दिन भी जारी रहा।

आंदोलनकारियों का कहना है कि सभी मापदंडों को पूरा करने के बाद ही नीमकाथाना को जिला बनाया गया था। 28 दिसंबर 2024 को राज्य सरकार ने इस निर्णय को पलटते हुए नीमकाथाना को जिला सूची से हटा दिया, जो जनता के लिए निराशाजनक है। सोमवार को विरोध प्रदर्शन में ऑटो रिक्शा यूनियन भी सड़क पर उतर आई। ऑटो चालकों ने रेलवे स्टेशन से अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकालकर अपना आक्रोश जताया और ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर प्रेमस्वरूप मीणा, मदनलाल सैनी, डॉ. शीशराम गुर्जर, प्रेम यादव, शशीपाल भाकर, राजेश बाजिया, संदीप यादव, पप्पूराम खटाणा, हरिराम भावरिया, हीरालाल गुर्जर, रामकुमार यादव, राजपाल डोई, जितेन्द्र शर्मा, गिरधारी लाल धायल, बसंत यादव, अनिल काजला, विकास मीणा, बलवीर खैरवा, सुरेश खैरवा, सत्येन्द्र तौमर समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से पुनर्विचार कर नीमकाथाना को जिला बनाए रखने की मांग की है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं करती, उनका धरना और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

साहित्य सरोवर संस्था का वार्षिकोत्सव संपन्न

रतनगढ़,(निसं)। साहित्य सरोवर संस्था जयपुर का वार्षिकोत्सव सीकर रोड स्थित संतोष भोजनालय में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रसिद्ध साहित्यकार नरेंद्र कुसुम और विशिष्ट अतिथि वैद्य गोपीनाथ पारीक गोपेश और शोभा चंदर थीं।इस अवसर पर प्रमुख साहित्यकारों का अभिनंदन किया गया। नरेंद्र कुसुम ने कहा कि साहित्य व्यक्ति, व्यष्टि और समष्टि का कल्याण करने वाला होता है। साहित्य से समाज की दशा और दिशा तय होती है। उन्होंने यूरोपीय एवं भारतीय साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया। वैद्य गोपीनाथ पारीक ने साहित्य की अनेक विधाओं की सूक्ष्म व्याख्या करते हुए आध्यात्मिक रचना पेश की। शोभा चंदर ने अपनी श्रेष्ठ ग़ज़लें और रुबाइयां प्रस्तुत की।संस्था सचिव हरिशंकर पारीक ने गत वर्ष की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए आगामी योजना की रूपरेखा पटल पर रखी।समारोह में विविध विषयों पर सरस कविताओं ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।इस काव्योत्सव में प्रह्लाद कुमावत चंचल, सुभाष चन्द्र शर्मा, वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी, तुलसीराम धाकड़, राधेश्याम शर्मा, वैद्य भगवान सहाय पारीक, विद्यानिधि त्रिवेदी,विश्वनाथ शर्मा, शकुंतला पारीक , ओमप्रकाश पारीक, रमाकांत पुरोहित आदि ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की।

प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता

पाटन । नीमकाथाना के वरिष्ठ अधिवक्ता मनीराम जाखड़ के परिवार की बेटियों ने राष्ट्रीय शुटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शुटिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर वैशाली जाखड़ और जिया जाखड़ ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। भोपाल में 1 जनवरी 2025 से 5 जनवरी 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय शुटिंग प्रतियोगिता में दोनों बहनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल नीमकाथाना बल्कि पूरे राजस्थान को गौरवान्वित किया है।इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में 5 जनवरी 2025 को जयपुर में आयोजित ''जाट महिला शक्ति संगम'' कार्यक्रम में विशाखा जाखड़ को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्हें मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एस.एस.पी. यादव ने क्राइम बैठक में जिले के पुलिस अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

चूरू । एसएसपी जय यादव ने सोमवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में जिले के पुलिस अधिकारियों की क्राइम बैठक ली। क्राइम बैठक में एसपी यादव ने कहा कि पुलिस थाने में आने वाले परिवादी के साथ पुलिस अधिकारी संवेदनशीलता के साथ बात करें। उनकी समस्या सुनकर हर संभव समाधान करने का प्रयास करें। एसएसपी यादव ने कहा कि चुरू पुलिस की ओर से गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भी अच्छा काम किया जाएगा।

गैंगवार व संगठित अपराधों में कमी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में गस्त भी बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा भी शहर के व्यापारी और आमजन भी पुलिस का सहयोग करें। व्यापारी अपनी दुकानों की पहरेदारी निजी तौर पर भी करवाये। जिससे चोरी की वारदात में भी कमी आएगी।

एसएसपी यादव ने कहा कि वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस के द्वारा समय समय पर अभियान चलाया गया है। उसमें काफी अच्छा काम किया गया है। पुलिस ने आबकारी एक्ट में अवैध शराब, डोडा पोस्त, गांजा और अफीम पकड़ने की काफी कारवाई की है। यादव ने कहा कि जिले के पुलिस अधिकारी अपने-अपने थानों में पेंडेंसी की संख्या में कमी लाएं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से फरार चलने वाले वांटेड अपराधियों को पुलिस तुरंत हर स्थिति में गिरफ्तार करें। क्राइम मीटिंग में एएसपी लोकेंद्र दादरवाल, डीएसपी सुनील झाझड़िया, कोतवाली थानाधिकारी मुकुट बिहारी, सदर थानाधिकारी बलवंत सिंह, रतननगर थानाधिकारी जयप्रकाश, महिला थानाधिकारी करतार सिंह, दूधवाखारा थानाधिकारी रतनलाल, भालेरी थानाधिकारी जगदीश प्रसाद, भानीपुरा थानाधिकारी, गौरव खिड़िया, राजगढ़ थानाधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया, हमीरवास थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई सहित अनेक पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

सभागार में जिले के पुलिस अधिकारियों की क्राइम बैठक ली।

बैंक में मनाया 13वां स्थापना दिवस

पाटन । बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के 13वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय, नीमकाथाना में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रबंधक एम. एल. कुलदीप ने की।कार्यक्रम में बैंक के स्टाफ और उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें राजस्थानी लोक गीतों और कलाकृतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक कुलदीप ने बैंक की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में सभी कर्मचारियों का योगदान सराहनीय है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस के इस आयोजन ने बैंक के कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच आपसी सहयोग और सौहार्द को और अधिक मजबूत किया।

साइबर क्राइम व यातायात नियमों के बारे में दी जानकारी

राजलदेसर । राजलदेसर थाना प्रभारी कमलेश सैनी ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कस्बे के टैक्सी स्टैंड पर टैक्सी ड्राइवर में आमजन को बताते हुए कहा कि दिनों दिन साइबर ठगों के जाल में लोग फंसते जा रहे हैं। ऐसे में साइबर ठगों से बचाव के लिए जागरुकता ही सबसे बड़ी सावधानी है। इसलिए स्वयं जागरुक हों और दूसरों को भी जागरुक करें। उन्होंने आमजन को जागरुक करते हुए बताया कि साइबर अपराध में ठगी करने वाले बदमाश वर्तमान परिवेश में पैसों की ठगी, ब्लैकमेलिंग करने के अपराध में विभिन्न तरीके खोजकर आम लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इससे बचने के लिए आम लोगों की सतर्कता ही आपकी ढाल बन सकती है। साइबर अपराधों की प्रवृत्ति से जागरुक होकर सुरक्षित रह सकते हैं। उन्होंनेकहा कि इस तरह के फ्रॉड से और साइबर अपराधों से बचने के लिए स्वयं जागरुक रहें और अपने आस पड़ोस में रहने वाले लोगों को भी जागरुक करना हम सभी की जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर उन्होंने यातायात नियमों के बारे में भी जानकारी दी एवं अपनी सुरक्षा के लिए यातायात नियमों की पालना करने की अपील । इस अवसर पर मोहनलाल महावर, भवानी पांडे, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष शंकरलाल खडोलिया , पार्षद जयचंद महावर , परमनाथ सिद्ध, लालचंद पांडे, जावेद सिक्का, लालचंद आचार्य ,गोपाल दाधीच, सोनू सैनी सहित बड़ी संख्या में आमजन व टैक्सी ड्राइवर मौजूद रहे ।

वार्षिक उत्सव में शैरा चौधरी का भव्य स्वागत किया

सीकर । एनएच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान समूह भढाडर सीकर की सीबीएसई स्कूल के जूनियर विंग में आयोजित आरंगम् वार्षिक उत्सव में शैरा चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। जानकारी देते हुए एकेडमिक प्रभारी लतिका ढाका ने बताया कि आरंगम् वार्षिक उत्सव में संस्थान के 1000 से ज्यादा नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ देशभक्ति व अनेकता में एकता का पाठ पढाते हुए नाट्क एवं हास्य रचनाओं द्वारा सभी दर्शकगणों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न 20 से ज्यादा राज्यों के विद्यार्थियों ने अपनी कला व संस्कृति से दर्शकों को अवगत करवाया। आरंगम् वार्षिक उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ एकेडमिक में उच्च रैंक व स्पोर्ट्स में मैडल प्राप्त करने वाने वाले 300 से ज्यादा विद्यार्थियों को मैडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अजमेर हाइवे पर एलपीजी गैस टेंकर हादसे में दो दर्जन से अधिक आग में झुलसे घायलों को अपनी जान की परवाह ना करते हुए उनकी जान बचाने वाले शैरा चौधरी को विशाल काफिले के साथ संस्थान मे लाकर संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका, सहनिदेशक गोपाल सिंह, चैयरमैन सुरेन्द्र सिंह सहित अतिथियों ने पुष्प माला व नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शैरा चौधरी ने अपने उद्बोधन में बताया कि दुर्घटना के समय प्रत्येक उपस्थित व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि घायल को समय से अस्पताल पहुचाया जाये ताकि उसकी जान बच सके जिससे उसके परिवार को बचाया जा सकता है। लेकिन देखने में यही आता है कि अधिकतर व्यक्ति रील बनाते एवं लुटखसोट करते है। शैरा ने सभी से अपिल करते हुए बताया कि जहॉ तक हो सके दुर्घटना के समय घायल की हरसंभव मदद करें। संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन धमेन्द्र निठारवाल, कार्तिक सिंह, रींका एवं एंकर राजेन्द्र बीरडा ने किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में न्यायिक अधिकारी रमेश कुमार, श्रीमाधोपुर विकास अधिकारी सुनील ढाका, राजस्थान प्रदेश तेजा सेना अध्यक्ष श्रीराम बिजारणियॉ, सांवरमल मुवाल, युवा नेता नरेन्द्र बाटड, पिपराली उपप्रधान विकास मुंड, ढाका परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबुलाल ढाका, लोकअभियोजक रविन्द्र ढाका, मैट्रिक्स डायरेक्टर विरेन्द्र ढाका, रजनीश डालमास सहित हजारों की संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। इससे पहले रामू का बास, चौधरी चरण सिंह सर्किल, पालवास चौराहा , नानी चौहारा , विक्टर क्रिकेट एकेडमी पर सर्वसमाज द्वारा शैरा का स्वागत किया ।

एडवोकेट सैनी ने लगातार दूसरी बार ली बार संघ अध्यक्ष पद की शपथ

चूरू । जिला अभिभाषक संघ चुरू की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह जिला अभिभाषक संघ के सभागार में समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ। 13 जनवरी को कोर्ट परिसर में बार के चुनाव में एडवोकेट नरेंद्र सैनी ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी। नरेंद्र सैनी के साथ ही उपाध्यक्ष पद पर एडवोकेट अभिषेक नाई, महासचिव पद पर एडवोकेट संजय खान, सचिव पद पर एडवोकेट मोहम्मद कैफ खिलजी, कोषाध्यक्ष पद पर एडवोकेट जय प्रकाश शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर एडवोकेट कन्हैया लाल गुर्जर तथा प्रवक्ता के पद पर एडवोकेट ओमप्रकाश वर्मा निर्वाचित एवं मनोनीत किए गए।

■ जिला अभिभाषक संघ की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

शपथ ग्रहण समारोह जिला अभिभाषक संघ के सभागार में समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ।

नव निर्वाचित कार्यकारिणी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविंद्र कुमार ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एडवोकेट नरेंद्र सैनी ने पूर्व अध्यक्ष के रूप में गत एक वर्ष का प्रतिवेदन एवं लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए बार के कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि अभिभाषक संघ चुरू के खाते में साढ़े पांच लाख पहले से हैं तथा साढ़े चार लाख की राशि इस वर्ष शेष रही है। इस प्रकार करीब 10 लाख रुपए से ज्यादा राशि की बचत हो चुकी है। इस राशि से आगामी वर्षों में अधिवक्ता हित के कार्य करते हुए इसे और अधिक बढ़ाने का लक्ष्य लिया गया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं ने लगातार दूसरी बार अध्यक्ष के रूप में उन पर विश्वास प्रकट किया है जिसके लिए सभी का आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के दायित्व निर्वहन में आने वाली परेशानियों का समाधान करने के लिए वे सदैव संघर्षरत रहेंगे।

उन्होंने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम पारित करवाने तथा स्वीकृत हो चुके नवीन कोर्ट परिसर के नव निर्माण में गति लाने हेतु भी संकल्प दोहराते हुए इस दिशा में आगे बढ़ने की घोषणा की। जिला अभिभाषक संघ के संरक्षक एडवोकेट बीरबल सिंह लांबा ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं का तथा उम्दा प्रबंधन हेतु चुनाव समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में चुनाव प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संतोष सैनी तथा एडवोकेट गजेंद्र खत्री को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट न्यायाधीश सोनिका पुरोहित, योगिता पारीक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश कुमार तथा मजिस्ट्रेट शिवानी तथा पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट सुरेंद्र सिंह शेखावत, एडवोकेट धनराज सैनी सहित चुरू जिला अभिभाषक संघ के सदस्य अधिवक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा ने किया।

नगरपालिका राजगढ़ के वार्ड नम्बर 34,35 व 27 में लगे कचरे के ढेर

साफ-सफाई नहीं होने के विरोध में प्रदर्शन करते मोहल्लेवासी

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ नगरपालिका क्षेत्र में गत कई दिनों से बिगडी सफाई व्यवस्था के कारण अब लोगों में आक्रोश बढने लगा है। वहीं सोमवार को शहर के वार्ड नम्बर 34 ,35 ओर 27 में छाया गंदगी के आलम के विरोध में लोगों ने जमकर आक्रोश व्यक्त कर सोमवीर गुलपुरा के नेतृत्व में मोहल्लेवसियों ने नगरपालिका राजगढ के खिलाफ प्रदर्शन किया।

शाम पांच बजे प्रदर्शन कर बताया कि फायर ब्रिगेड स्टेशन के नजदीक गंदगी के आलम के कारण समूचे मोहल्ले के लोग परेशान हो गए हैं, कचरे के ढेर लगे हुए हैं तथा प्रदूषण युक्त वातावरण से लोगों को खाना पीना भी मुश्किल हो गया है। लोगों ने बताया कि लगातार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है तथा घर-घर कचरा संग्रहण योजना बंद होने से मुश्किलें बढती जा रही है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि वार्ड 34, 35 और 27 लगते वार्ड है। तथा तीनों वार्डो का कचरा गत काफी दिनों से नहीं उठाया जा रहा है जिसके कारण प्रमुख रास्तों पर कचरे के ढेर लग गए हैं। यही हाल नाले नालियों का है, जिनकी सफाई नहीं होने के कारण गंदगी का आलम बढता जा रहा है। इस अवसर पर सोमवीर गुलपुरा, बजरंग लाल स्वामी, गोविन्द गहनोलिया, बजरंग प्रजापत, लालचंद, राम सिंह, कालु राम रेगर सुनिल, गुमाना राम, सुरेश, पप्पु राम कुलदीप डिगवाल, संतलाल, राजू सैनी, मामराज व हरि राम आदि दर्शन लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि समय रहते सफाई व्यवस्था नहीं हुई तो मोहल्ले के लोग नगर पालिका राजगढ प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे।

अगर आप रन नहीं बना सकते, तो कम से कम इंटेंट और आक्रामकता तो दिखाएं। मैं चाहता था कि वह गेंदबाजों को थका दें और गेंद को पुराना कर दें। अपने साथियों की मदद करें और रन ना बनने पर भी डटे रहे। - शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, खेल के बारीकियों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

राशिद खान

सात विकेट लेने वाले राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं अफगानिस्तान के ही बैटर रहमत शाह प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। सीरीज का पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। राशिद खान को 7 विकेट अफगानिस्तान से लेग स्पिनर राशिद खान ने दूसरी पारी में 7 विकेट लिए। लेफ्ट आर्म स्पिनर जिया उर रहमान को 2 विकेट मिले, जबकि एक बैटर रनआउट भी हुआ। राशिद को इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट लिए थे, वहीं राशिद ने बैट से दोनों पारियों में 48 रन भी बनाए।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

अफगानिस्तान ने 72 रन से जीता बुलवायो टेस्ट, राशिद को 7 विकेट

बुलवायो, 6 जनवरी। अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को दूसरा टेस्ट 72 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज भी 1-0 से अपने नाम कर ली। दूसरी पारी में 7 विकेट लेने वाले राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं अफगानिस्तान के ही बैटर रहमत शाह प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। सीरीज का पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। राशिद खान को 7 विकेट अफगानिस्तान से लेग स्पिनर राशिद खान ने दूसरी पारी में 7 विकेट लिए। लेफ्ट आर्म स्पिनर जिया उर रहमान को 2 विकेट मिले, जबकि एक बैटर रनआउट भी हुआ। राशिद को इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट लिए थे, वहीं राशिद ने बैट से दोनों पारियों में 48 रन भी बनाए। पहली पारी में 157 रन ही बना सका अफगानिस्तान गुरुवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी।

अफगानिस्तान टीम पहली पारी में 157 रन ही बना सकी। राशिद खान ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। 7 अन्य बैटर्स ने 10 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। अफगानिस्तान से जिया-उर-रहमान 8 और अहमदजई 2 ही रन बना सके। इस्मात आलम तो खाता भी नहीं खोल सके। जिम्बाब्वे से पहली पारी में सिकंदर रजा और न्यूमैन न्याम्हुरी ने 3-3 विकेट लिए।

ब्लेसिंग मुजरबानी को 2 और रिचर्ड नगारावा को 1 विकेट मिला। जिम्बाब्वे की खराब शुरुआत पहली पारी में जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 41 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। जॉयलॉर्ड गुम्बी 8, बेन करन 15 और डायन मायर्स 5 ही रन बना सके। टी कायतानो खाता भी नहीं खोल सके। सिकंदर रजा ने फिर कप्तान क्रैग इरविन के साथ पारी संभाली। दोनों ने फिफ्टी लगाई और स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। रजा 61 रन बनाकर आउट हुए।

भारत का अगला टेस्ट कप्तान कौन

नई दिल्ली, 6 जनवरी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 10 साल बाद सीरीज हार का सामना करना पड़ा। सिडनी में रविवार को भारत ने 6 विकेट से पांचवां टेस्ट गंवाया और सीरीज 3-1 से मेजबान टीम के नाम हो गई। कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली दोनों सीरीज हार चुके हैं।

रोहित ने पांचवें टेस्ट में खुद को रेस्ट भी दिया, टेस्ट में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उनकी कप्तानी जाना तय है। जसप्रीत बुमराह उप कप्तान हैं, लेकिन उनका इंजर्ड रहना टीम के लिए परेशानी बन सकता है। विराट कोहली 3 साल पहले कप्तानी छोड़ चुके हैं, लेकिन सिडनी में उन्होंने बुमराह की गैरमौजूदगी में बेहतरीन कप्तानी की थी। रोहित का बाहर होना तय क्यों? रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से टेस्ट सीरीज हार गई। भारत 12 साल बाद घर में कोई टेस्ट सीरीज हारा था। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने 3 बार कप्तानी की और 2 मैचों में टीम को हार मिली। बारिश के कारण तीसरा मैच ड्रॉ रहा। इसी के साथ भारत को में भी 10 साल बाद सीरीज हार का सामना करना पड़ा। रोहित की कप्तानी जारी रखने में सबसे बड़ा रोल उनकी बैटिंग का भी है। जो इस वक्त बहुत खराब चल रही है। ऑस्ट्रेलिया में वह 31 रन ही बना सके। 2024 में तो वह 10 बार सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हुए। जिस कारण उन्हें सिडनी में खुद को ड्रॉप करना पड़ा। बुमराह और कोहली ने उनसे बेहतर कप्तानी की, ऐसे में रोहित का टेस्ट कप्तान बने रहना बहुत मुश्किल है। जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका।

आयरलैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का ऐलान, मंधाना को कप्तानी

राजकोट, 6 जनवरी। महिला सिलेक्शन कमेटी ने आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। सोमवार को जारी टीम में कप्तान हरमनप्रीत कौर और रेणुका सिंह ठाकुर को आराम दिया गया है। कौर की गैरमौजूदगी में स्मृति मंधाना भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। ऑलराउंडर दीप्ती शर्मा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।आयरलैंड के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज 10 जनवरी से शुरू होगी।

तीनों वनडे मैच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में होंगे।मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 193 रन बनाए पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 और वनडे दोनों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद मंधाना अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहेंगी। मंधाना कैरबियाई विमेंस के खिलाफ टी-20 में 193 रन बनाकर टॉप स्कोरर रही थी। उन्होंने 64.33 की औसत और 159.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।वहीं वनडे में वह हरलीन देयोल के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं।

उन्होंने 88.10 की स्ट्राइक रेट और 49.33 की औसत से 148 रन बनाए। लगभग एक साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाली हरलीन अपनी शानदार फॉर्म जारी रखना चाहेंगी। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक जमाया। दिसंबर में भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 3-0 से सीरीज हराया था। आयरलैंड के खिलाफ इंडियन विमेंस टीम 3 मैच 10, 12 और 15 जनवरी को खेलेगी।

आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों के लिए भारतीय टीम : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, राघवी बिस्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवेर, तितास साधु, साइमा ठाकोर, सयाली सतघरे।

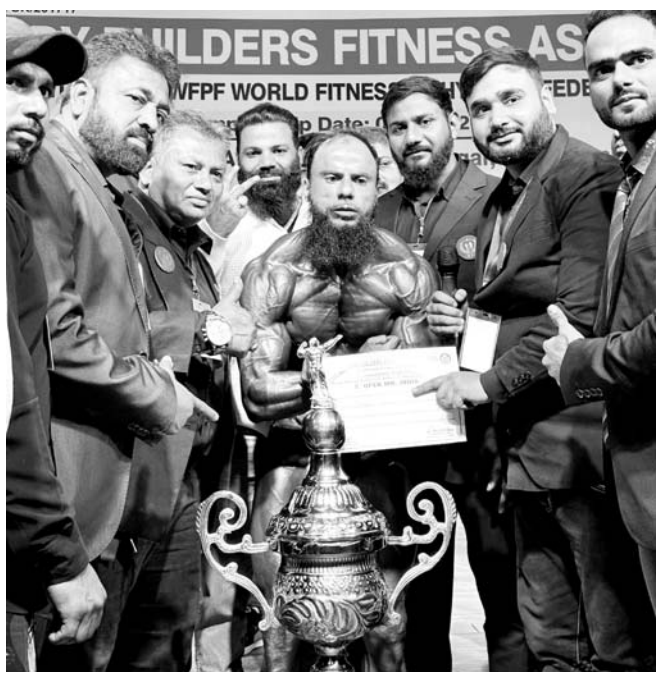

ओपन मिस्टर इंडिया बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप का आयोजन

जयपुर, 6 जनवरी। प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में ओपन मिस्टर इंडिया बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उदयपुर के साजिद को चैंपियन ऑफ चैंपियन तथा भीलवाड़ा के मध्य प्रदेश के समीर को मोस्ट इंप्रूव का खिताब दिया गया। फेडरेशन के अध्यक्ष मंसूर खान ने बताया कि इस प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सभी खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है।

2025 के लिए नए लक्ष्य तय करने शुरू किए : गुकेश

बेंगलुरु, 6 जनवरी। डी गुकेश ने पिछले एक महीने में कई उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें विश्व चैम्पियनशिप में जीत के बाद हाल में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना जाना शामिल है लेकिन शतरंज का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब 2025 में 'चुनौतीपूर्ण' वर्ष का सामना करने के लिए अपना ध्यान और लक्ष्य फिर से निर्धारित करना चाहता है। गुकेश 17 जनवरी से नीदरलैंड के विज्क आन जी में शुरू होने वाले टाटा स्टील टूर्नामेंट में शिरकत करेंगे जिसमें अनीश

गिरी, अर्जुन एरिगेसी, फैबियानो कारूआना और आर प्रज्ञानानंद जैसे शीर्ष खिलाड़ी भी होंगे। गुकेश ने रविवार को वेस्टब्रिज कैपिटल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से कहा, "हां, 2025 काफी चुनौती पेश करेगा। बहुत सारे नए और दिलचस्प टूर्नामेंट होंगे। विश्व चैम्पियनशिप अब बीती बात हो चुकी है। मैं इसे जीतकर और सभी पुरस्कारों से बहुत खुश हूं।" उन्होंने कहा, "लेकिन अब मैंने नये लक्ष्यों, नये टूर्नामेंट और तैयारी के नये तरीकों के बारे में सोचना शुरू कर दिया है। लक्ष्य और दृष्टिकोण वही रहेगा। अपना सर्वश्रेष्ठ देना, खुद को बेहतर बनाते रहना और जितना संभव हो सके उतने टूर्नामेंट जीतना।" गुकेश ने कहा, "इसलिए मैं बहुत कुछ सीखने, बहुत सारे सुधार करने की उम्मीद कर रहा हूं। उम्मीद है कि बहुत सारे अच्छे नतीजों के साथ यह एक मजेदार साल रहेगा।" हालांकि गुकेश पर विश्व चैम्पियन का 'टैग' होगा और साथ ही बहुत सारी उम्मीदें भी होंगी। लेकिन 19 वर्षीय खिलाड़ी इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हां, मैं कुछ समय से सुर्खियों में रहने का आदी हो गया हूं। जाहिर है कि विश्व चैम्पियनशिप के बाद यह और भी बढ़ जाएगा। लेकिन मुझे जो चीजें याद हैं, वे हैं खुद को बेहतर बनाते रहना और असफलताओं को स्वीकार करना।

विजय हजारे ट्रॉफी नॉक आउट दौर के लिए राजस्थान टीम घोषित

महिपाल लोमरोर कप्तान व मानव सुथार उपकप्तान

जयपुर, 6 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ ने बीसीसीआई की विजय हजारे ट्रॉफी के नॉक आउट दौर के लिए राजस्थान टीम घोषित की, महिपाल लोमरोर को कप्तानी व मानव सुथार को उपकप्तानी सौंपी गयी। राजस्थान सीनियर टीम :-कार्तिक शर्मा जुबेर अली राजकुमार सैनी दीपक चाहर कमलेश नागरकोटी अनिकेत चौधरी अभिजीत तोमर अमन सिंह शेखावत रजत चौधरी महिपाल लोमरोर (कप्तान) राम मोहन चौहान शुभम गढ़वाल दीपक हुड्डा मानव सुथार (उपकप्तान) अजय कूकना समर्पित जोशी हेमंत कुमार खलील अहमद करण लाम्बा सचिन यादव।

आई-लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का 9 से आयोजन

जयपुर, 6 जनवरी। आईपीएल की तर्ज पर पहली बार वीर भूमि राजस्थान में आयोजित होने जा रही आई-लीग फुटबाल प्रतियोगिता का धमाकेदार आगाज राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के होम ग्राउंड जयपुर में 9 जनवरी 3 बजे से शुरू होने जा रहा है। क्लब के चेयरमैन केके टाक के विशेष प्रयासों के चलते यह लीग राजस्थान के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक शानदार मौका लेकर हाजिर हो रही है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन द्वारा आयोजित की जा रही आई लीग में जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में जनवरी से लेकर मार्च तक कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे जो कि राजस्थान के फुटबाल प्रेमियों के लिए किसी सौगात से कम नहीं है।

यूरोपीय टी-20 लीग के मालिक बने अभिषेक बच्चन

मुंबई, 6 जनवरी। बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ने यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में पैसा निवेश किया है। वो इस लीग के सह मालिक बनने जा रहे हैं जिसकी आगाज इसी साल होगा। ईटीपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अप्रूव किया है इसमें आयरलैंड, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स समेत दुनिया भर के टॉप प्लेयर्स खेलते हुए नजर आएंगे। इकॉनमिक टाइम्स के अनुसार, 15 जुलाई-3 अगस्त तक चलने वाली यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में कुल 6 टीमें भाग लेंगी। ये टीमें डबलिन, बेलफास्ट, एम्स्टरडैम, रोटरडैम, ग्लासगो और एडिनबर्ग शहरों का प्रतिनिधित्व कर रही

होंगी। अभिषेक बच्चन जैसी नामी हस्ती के जुड़ने से इस लीग को दुनियाभर में एक अलग पहचान मिलेगी। बच्चन के आने से संभावनाएं हैं कि ज्यादा निवेशकों और साथ ही भारतीय क्रिकेट फैंस को भी रिझा पाएगा।

इस नई पहल को लेकर अभिषेक बच्चन ने खुशी जताते हुए कहा कि, क्रिकेट केवल एक खेल नहीं है, ये एक ताकत है जो देशों को साथ लाती है। ऐसा बढ़िया प्लेटफॉर्म है, जो क्रिकेट की बढ़ती मांग को बढ़िया तरीके से प्रदर्शित करेगा। क्रिकेट के 2028 ओलंपिक्स में शामिल होने से य लीग इस खेल की लोकप्रियता बढ़ाने में और अधिक योगदान देगी।

राजस्थान राज्य सब जूनियर एवं जूनियर सॉफ्ट हॉकी प्रतियोगिता

जूनियर बालिका वर्ग में जूनियर एवं जूनियर सॉफ्ट हॉकी प्रतियोगिता

जयपुर, 6 जनवरी। 4 राजस्थान राज्य सब जूनियर एवं जूनियर सॉफ्ट हॉकी प्रतियोगिता 2024 का समापन समारोह नरवा कलां, नागौर में आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्रवण राम सियाग, सरपंच, प्रतिनिधि, नारवा कलां, एवम अध्यक्षता गजेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व खेल अधिकारी, राजस्थान राज्य खेल परिषद, जयपुर, रमेश सिंह, एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव, हर्षित यादव, तकनीकी अधिकारी एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया, बाबूलाल विश्नोई, तकनीकी अधिकारी एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया, रामू राम, भारतीय टीम कोच, भगवती विश्नोई थे।

इस प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग में जयपुर ने नागोर को सेमीफाइनल में 20 तथा बीकानेर ने भीलवाड़ा को 41 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया तथा बीकानेर ने जयपुर को फाइनल में 31 से हराकर विजेता का खिताब

हासिल किया। जूनियर बालिका वर्ग में नागौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर बालक वर्ग में नागोर ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान श्रीगंगानगर तथा तृतीय स्थान जयपुर ने प्राप्त किया। इसी प्रकार सब-जूनियर बालिका वर्ग में बालोतरा ने प्रथम स्थान तथा नागोर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आईसीसी टेस्ट टीमों को दो डिवीजन में बांटने की प्लानिंग

भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी टीमों की ज्यादा सीरीज होगी

सिडनी, 6 जनवरी। आईसीसी टेस्ट टीमों को 2 डिवीजन में बांटने की तैयारी कर रही है। एक डिवीजन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमें होंगी। आईसीसी का प्लान है कि बड़ी टीमें आपस में ज्यादा सीरीज खेलें। इस स्कीम को मंजूरी मिलती है तो 2027 के बाद इसे लागू किया जाएगा। 2027 तक के शेड्यूल पहले से तय हैं। ऑस्ट्रेलियाई अखबार द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार के चेयरमैन जय शाह तीनों बोर्ड (क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और) के साथ मिलकर चाहते हैं कि ये तीनों बड़े देश ज्यादा से ज्यादा एक दूसरे के साथ टेस्ट क्रिकेट खेलें। इससे इन टीमों के बीच हर तीन साल में 5-5 टेस्ट मैचों की दो सीरीज हो पाएंगी। अभी इनकी आपस में दो सीरीज 4 साल में होती हैं। चेयरमैन जय शाह जनवरी के आखिरी सप्ताह में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बैर्ड और इंग्लैड क्रिकेट बोर्ड के चीफ रिचर्ड थॉम्पसन एक मीटिंग कर सकते हैं।

हीरानंद कटारिया की कोचिंग में भवानी निकेतन महिला कॉलेज 21 साल तक कबड्डी में चैम्पियन रही, जो कि एक रिकॉर्ड है

एक ही परिवार के चार अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया

जयपुर, 6 जनवरी। एक ही परिवार में जन्मे चार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने किया देश का नाम रोशन, सिरसी रोड बिशनावाला हरि नारायण कटारिया के परिवार में जन्मे पुत्र एवं पोत्रौ ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग अलग खेलो में गांव का ही नहीं बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। सबसे पहले कबड्डी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हीरानन्द कटारिया 1995 में साउथ एशियन गेम्स मै स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इन्हें राजस्थान का सर्वोच्च खेल सम्मान महाराणा प्रताप अवॉर्ड और गुरु वशिष्ठ अवॉर्ड में सम्मानित किया जा चुका हैं।

वॉलीबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लवमीत कटारिया जिन्होंने एशियन गेम्स 2014 में कोरिया में भाग लिया, 2016 में साउथ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता, भारतीय वॉलीबाल टीम का कई बार प्रतिनिधित्व किया और भारतीय टीम के कप्तान भी रहे। इन्हें भी महाराणा प्रताप अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। अमित कटारिया अन्तर्राष्ट्रीय वूशु खिलाड़ी जिन्होंने जॉर्जिया यूरोप में इंटरनेशनल वूशु टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता।

राहुल कटारिया अन्तर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी ने श्रीलंका में यूथ एशियन वॉलीबॉल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यूथ नेशनल में रजत पदक विजेता, वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वालीबॉल चैंपियनशिप में तीन बार गोल्ड मेडल जीता। प्रो वालीबॉल में खेलने वाले राजस्थान के एकमात्र खिलाड़ी रहे, इन्हें भी राइजिंग स्तर अवॉर्ड से पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सिंधिया ने सम्मानित किया है। लवमीत और अमित दोनों हीरानन्द कटारिया के सुपुत्र हैं तथा राहुल इनका भतीजा है। इस तरह एक ही परिवार के कटारिया परिवार में जन्मे चार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने हिन्दुस्तान में एक अमिट छाप छोड़कर भारत देश का गौरव बढ़ाया है।

हीरानंद कटारिया ने कोच के रूप में कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचायां है। कोच हीरानंद कटारिया ने फ्री कोचिंग देकर सुमित्रा शर्मा, शालिनी पाठक, सोनू यादव और जितेंद्र यादव जैसे अनेकों खिलाड़ियों को स्टार बनाया

है। कटारिया के कोचिंग की ऐसी कुशल सेवा रही कि भवानी निकेतन महिला महाविद्यालय कॉलेज 21 साल तक कबड्डी में चैंपियन रही, जो कि यह अपने आप में एक कीर्तिमान है।

सर्वप्रथम बात करें उनकी शिष्या सुमित्रा शर्मा की जिसने एशियन गेम्स 2014 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा। उसके चाद शालिनी पाठक ने 2006 में साउथ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता और फिर सोनू यादव और जितेंद्र यादव ने मलेशिया वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीता। ऐसे कई सारे उनके शिष्य रहे जिन्होंने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना दमखम दिखाया।

हीरानंद कटारिया ने फ्री कोचिंग देकर यह कारनामा कर दिखाया खिलाड़ी होने के साथ साथ कबड्डी कोच के रूप में "फ्री" सेवाएं देकर एक देश मैं अनूठी मिसाल कायम की। अभी भी गोविंदपुरा सन ब्राइट अकादमी में ग्रामीण प्रतिभाओं को कबड्डी की फ्री सेवाएं दे रहे है। खिलाड़ियों को ट्रैकसूट, किट, प्रोटीन, घी, गरीब बच्चों के फीस तक भी अदा करते है। यहां तक की नोकरी में भी उनकी मदद करते हैं। डाक विभाग में 7 महिला खिलाड़ियों को जॉब दिलाई। हीरानंद कटारिया तन- मन-धन से खिलाड़ियों के लिए सहायता करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री निवास पर बैंक ऑफ बड़ौदा तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 'विकसित राजस्थान 2047' के तहत पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर 'सर्वजन हिताय' आधारित समावेशी विकास का लक्ष्य रखा हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा व बैंक ऑफ महाराष्ट्र से राज्य के लिये बड़े ऋण का एम.ओ.यू.

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दोनों बैंकों के सहयोग को बुनियादी ढांचे की मजबूती में मील का पत्थर बताया

- **बैंक ऑफ बड़ौदा राज्य की ऊर्जा, सड़क, पेयजल व स्वच्छता आदि की विभिन्न परियोजनाओं के लिये अगले 6 वर्ष 20 हजार करोड़ रूपए प्रति वर्ष के ऋण प्रदान करेगा।**
- **इसी तरह बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी अगले 6 वर्ष 10 हजार करोड़ रूपये के ऋण राजस्थान सरकार को उपलब्ध करायेगा।**

जयपुर, 6 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 'विकसित राजस्थान 2047' के तहत पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर 'सर्वजन हिताय' आधारित समावेशी विकास का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि इस कार्य योजना के तहत भविष्य के लिए दस संकल्प निर्धारित किए गए हैं। इन संकल्पों में बुनियादी ढांचे का विकास करना और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर पर पहुंचाना भी शामिल है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर बैंक ऑफ बड़ौदा तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ राज्य सरकार के दो एमओयू हस्ताक्षरित करने के अवसर पर बोल कर रहे थे। इन एमओयू के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा अगले छह वर्षों यानी 31 मार्च 2030 तक, प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रूपये का ऋण प्रदान करेगा। इसके साथ ही, बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराएगा। यह धनराशि राजस्थान सरकार की विभिन्न परियोजनाओं, विशेषकर आधारभूत ढांचा क्षेत्र जैसे बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा, सड़क, पेयजल और स्वच्छता के लिए उपयोग में ली जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए गर्व का विषय है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जैसे देश के प्रतिष्ठित बैंक अब राजस्थान की विकास यात्रा में भागीदार बनने जा रहे हैं। हमारे प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सशक्त करने की दिशा में, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का यह सहयोग एक बड़ा कदम है और आज का यह समझौता प्रदेश के बुनियादी ढांचे की मजबूती में मील का पत्थर साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि आज की साझेदारी राज्य के विकास और जनकल्याण की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगी तथा विकसित भारत 2047 एवं विकसित राजस्थान 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच के अनुरूप, राज्य सरकार प्रदेश के बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की परिकल्पना के साथ कार्य कर रही है। दोनों बैंकों के साथ सम्पन्न एमओयू राज्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के भागीरथ प्रयास हैं।

इस अवसर पर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त (बजट) देबाशीष पृष्टी, बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी एवं सीईओ देबदत्त चंद, कार्यकारी निदेशक ललित त्यागी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कार्यकारी निदेशक रोहित ऋषि सहित दोनो बैंकों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

कैनडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने इस्तीफा दिया

उनकी पार्टी के सांसदों का कई महीनों से ट्रूडो पर प्रधानमंत्री पद छोड़ने का दबाव था

- **प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर यह आरोप था कि नेशनल मुद्दों पर से जनता का ध्यान हटाने के लिये वे भारत विरोधी एजेण्डा चला रहे थे।**

टोरंटो, 06 जनवरी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस्तीफा दे दिया है। ट्रूडो ने सोमवार को देश को संबोधित करके पद छोड़ने का ऐलान किया। ट्रूडो ने कहा, "मैं लिबरल पार्टी के नेता और पीएम पद छोड़ने का ऐलान करता हूं। मुझे लगता है कि मैं 2025 के इलेक्शन के लिए लिबरल पार्टी की तरफ से अच्छा ऑप्शन नहीं हूं।" कनाडाई न्यूज सीबीसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि ट्रूडो प्रधानमंत्री के पद पर तब तक पद पर बने रहेंगे, जब तक उनका उत्तराधिकारी चुन नहीं लिया जाता। ट्रूडो के इस्तीफे के बाद ऐसा माना जा रहा है कि तय समय से पहले चुनाव की मांग हो सकती है।

ट्रूडो पर उनकी लिबरल पार्टी के सांसदों की तरफ से कई महीनों से पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा था। बीते दिनों डिप्टी पीएम और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने ट्रूडो सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए पद छोड़ दिया था। इसके बाद ट्रूडो पर दबाव बढ़ गया था। ट्रूडो पर नेशनल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भारत विरोध एजेंडा चलाने का आरोप भी है।

कनाडाई नागरिकों को संबोधित करते हुए जस्टिन ट्रूडो ने कहा, "मेरी पार्टी के भीतर आंतरिक लड़ाइयां थीं, जिसके कारण मुझे पार्टी प्रमुख और कनाडाई पीएम के रूप में पद छोड़ने का फैसला लेना पड़ा।" 53 वर्षीय ट्रूडो ने कहा, "मैंने मेरी पूर्व पत्नी और बच्चों के साथ लंबी चर्चा के बाद पीएम पद छोड़ने का फैसला लिया है।"

दरअसल, बीते कुछ सालों में जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी में विद्रोह की आवाज तेज हुई है। सियान कैसी और केन मैक्डोनाल्ड सहित, पार्टी के कई हाई प्रोफाइल सांसद सार्वजनिक तौर पर जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ अपनी राय दे चुके हैं। इन सांसदों ने अपने प्रधानमंत्री के बयानों और फैसलों को गलत बताया है, उनकी लीडरशिप पर सवाल उठा चुके हैं। पार्टी की ओर से ट्रूडो पर पीएम पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। कनाडा की सत्ताधारी लिबरल पार्टी के कई नेताओं का आरोप है कि जस्टिन ट्रूडो भारत के खिलाफ आरोप लगाकर सरकार की नाकामी छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक, लिबरल पार्टी के कम से कम 20 सांसदों ने जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे को लेकर एक पिटीशन पर साइन किए हैं।

कनाडा के लोगों में ट्रूडो सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस नाराजगी की सबसे बड़ी वजह आर्थिक अस्थिरता और बढ़ती महंगाई है। यहां खाने-पीने और रहने का खर्चा बढ़ता ही जा रहा है।

इसके साथ ही, पिछले कुछ समय से कनाडा में कट्टरपंथी ताकतें तेज हुई हैं। खालिस्तानी हमलों और गतिविधियों से भी लोग परेशान हैं।

अप्रवासियों की बढ़ती संख्या और कोविड-19 के बाद बने हालातों के चलते, ट्रूडो को राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

रोहिणी (दिल्ली) ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक अन्य पोस्ट में कहा गया, "जब टैलिप्रॉम्पटर फेल होता है तो फर्जी वक्ता की बोलती बंद हो जाती है। इस फेंकू की हर बात फेक (फर्जी) है।"

एक और ट्वीट आई, "जितनी चाबी भरी राम ने..... अरे उतना चले खिलौना।"

दूसरे यूज़र ने लिखा, "हमने टैलिप्रॉम्पटर प्रधानमंत्री को चुना है। टैलिप्रॉम्पटर के बिना मोदी वैसी ही हैं, जैसे ई.वी.एम. के बिना भाजपा।"

एक अन्य यूज़र ने कहा, "एक देश, दो टैलिप्रॉम्पटर, दोनों फेल हो गए।"

एक यूज़र बोला, "जैसे दिल्ली में भाजपा फेल हुई, वैसे ही मोदी जी का टैलिप्रॉम्पटर फेल हो गया। लेकिन, कोई चिंता नहीं, पिछले चार सालों में मोदी जी ने अपनी छवि सुधारने के लिए जनता का 4,300 करोड़ रूपया खर्च किया है।"

एक ने कहा, "टैलिप्रॉम्पटर फेल हो गया, पर क्या दिमाग भी फेल हो गया। अरे भाई, आप 8,000 करोड़ रूपए का एयरोप्लेन खरीद सकते हैं, एक अच्छा टैलिप्रॉम्पटर भी खरीद लीजिए।"

एक यूज़र की पोस्ट में नेहरू फिर वापस आ गए। उसने लिखा: "आखिरकार वो नेहरू ही थे जिन्होंने टैलिप्रॉम्पटर का तार काटा, जिसके कारण महान वक्ता मोदी जी भाषण के बीच में ब्लैंक हो गए।"

युवा राजद ने पटना में आक्रोश मार्च निकाला

- **वे बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं।**

गया, 06 जनवरी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर युवा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कार्यकर्ताओं ने आक्रोश मार्च निकाला।

युवा राजद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को शहर के गांधी मैदान से आक्रोश मार्च निकाला,जो विभिन्न सड़क मार्ग से होते हुए शहर के टावर चौक पहुंचा। टावर चौक के समीप कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका, साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

राजद प्रवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ जुगनू यादव ने कहा कि बीपीएससी जैसी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो जाता है, इससे बड़ी हास्यास्पद बात क्या होगी। अब और परीक्षाओं की क्या स्थिति होगी, यह स्वयं समझा जा सकता है।

बीपीएससी परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आ ान पर छात्र राजद और युवा राजद के कार्यकर्ताओं ने कुमार का पुतला फूंकने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि बीपीएससी के मामले पर जो लोग आमरण अनशन कर रहे हैं, उन पर भी सरकार दमनकारी अभियान चला रही है। यह कहीं से सही नहीं है। छात्र राजद और युवा राजद इसकी घोर निंदा करती है।

एलन मस्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा नहीं कर पाए और इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी साथ खड़े नहीं हुए।

मस्क ने एक्स पर ऐसी ऑफिशियल रिपोर्ट्स का हवाला दिया और कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी संस्थाएं पूर्णतया विफल रही हैं।

मस्क की ब्रिटिश प्रधानमंत्री और ब्रिटिश सरकार की संस्थाओं की आलोचना का मूल यह है कि इनकी विफलता के कारण सालों से बच्चों का योन शोषण हो रहा है। रंगभेद का ठप्पा लगने और अपराधियों के मूल का उल्लेख करने के डर के कारण, उन्होंने दशकों तक बच्चों का यौन शोषण होने दिया। इसमें ब्रिटिश सरकार की कुछ रिपोर्ट्स का हवाला दिया, जिनमें पाकिस्तानियों द्वारा बच्चों के यौन शोषण की घटनाएं हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच 15,000 बच्चों का यौन शोषण हुआ था।

नक्सलियों के विस्फोट में नौ जवान शहीद हुए

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सुरक्षा बलों के एक वाहन को उड़ा दिया

- **विस्फोट इतना भयंकर था कि मौके पर 15 फिट गहरा गड्ढा बन गया। बस्तर के आईजी ने आठ जवान और एक ड्राइवर के शहीद होने की पुष्टि की।**

बीजापुर, 06 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर से दूर कुटरू मार्ग पर नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सुरक्षाबलों के एक वाहन को उड़ा दिया जिससे नौ जवान शहीद हो गए तथा कुछ जवान घायल हो गये। इससे पहले मुठभेड़ में महिला माओवादी समेत पांच नक्सलियों को ढेर कर सोमवार अपराह्न लौटते समय नक्सलियों ने शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का विस्फोट किया। नक्सलियों ने यह हमला बीजापुर जिले के कुटरू-बेद्रे रोड पर उस वक्त किया, जब दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर की संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन करके वापस लौट रही थी।

विस्फोट इतना भयंकर था कि इसके कारण मौके पर 15 फीट का गड्ढा बन गया। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने इस हादसे में आठ जवान और एक ड्राइवर के शहीद होने की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर व कोंडागांव की डीआरजी टीमों के साथ स्पेशल टास्क फोर्स के जवान भी शामिल थे। कुछ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से रायपुर ले जाया गया है।

बीजापुर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा था। सोमवार को सुबह टीम सर्चिंग के लिए निकली थी। कुछ सूत्रों ने घायल जवानों की संख्या में भी बढ़ोतरी की आशंका जताई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ के बीजापुर में नक्सलियों द्वारा किये गये विस्फोट में जिला रिजर्व गार्ड के जवानों की मौत पर दुख व्यक्त किया और सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जवानों को खोने की सूचना से अत्यंतु दुखी हूं। वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे।

डूंगरपुर में 2 माह के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था, लेकिन अब बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। डॉक्टर ने बताया कि इस बीमारी से घबराने की जरूरत नहीं है।

सीएमएचओ डॉ अलंकार गुप्ता ने बताया कि बच्चा रीछा गांव का रहने वाला हैं। बच्चे के परिजन अहमदाबाद में उसके साथ हैं। गांव में एक मेडिकल टीम को भेजा है, जो घर-घर जाकर सर्वे कर रही है। वहीं, सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि विभाग को मिली सूचना के अनुसार, रिछा गांव में 2 माह के बच्चे का एचएमपीवी वायरस से संक्रमित होना बताया गया। ऐसे में चिकित्सा विभाग का दल जांच करने पहुँचा। दल ने जांच में पाया कि बच्चे का जन्म 23 अक्टूबर को मोडासा के निजी अस्पताल में हुआ था बच्चे में निमोनिया के लक्षण थे, बच्चे के स्वस्थ होने पर पिता उसे नानी के घर भीलूडा लेकर आ गए। 24 दिसम्बर को बच्चे को खांसी, जुखाम, बुखार व सर्दी लगने की समस्या हुई। ऐसे में इलाज के लिए बच्चे के माता-पिता उसे 26 दिसम्बर को अहमदाबाद के निजी अस्पताल लेकर गए, जहां उसका इलाज किया गया और निजी लेब में सैम्पल की जांच की गई। बच्चा एमएसपी वायरस से ग्रसित था। यह एक सामान्य वायरस है। 5 जनवरी को बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया। बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ है। चिकित्सा विभाग के दल द्वारा क्षेत्र के आस-पास निगाह रखी जा रही है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि यह वायरस साल 2001 से मौजूद है, लेकिन इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।

फिरोजाबाद में बंद पड़े मंदिरों को हिंदूवादी संगठनों ने खुलवाया

जिले के रसूलपुर व रामगढ़ के मुस्लिम इलाकों में ये मंदिर गत 30 साल से बंद थे

- **नगर मजिस्ट्रेट के अनुसार मंदिर 60 साल पुराना है। मकान बेचने वाला परिवार दूसरी जगह बस गया तब से मंदिर पड़ा था।**

फिरोजाबाद, 06 जनवरी। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के रसूलपुर और रामगढ़ क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में अर्से से बंद पड़े हनुमान और शिव मंदिरों को हिंदूवादी संगठनों की पहल पर जिला प्रशासन ने खुलवाया। जिला प्रशासन ने सभी लोगों से शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की है।

संभल, बदायूं और मुरादाबाद के बाद, फिरोजाबाद में भी करीब 60 वर्ष पुराने मंदिर, जो लगभग 30 सालों से बंद पड़े थे, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा ताला तोड़कर उन मंदिरों की साफ-सफाई कराई गई।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा थाना रसूलपुर क्षेत्र में पुराना रसूलपुर आबादी के गली नंबर 8 में एक बंद पड़े हुए मंदिर की जानकारी जिला प्रशासन को दी गई। नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र कुमार एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद ने अपनी मौजूदगी में ताला तुड़वाया।

नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र कुमार के अनुसार, मंदिर पर एक पत्थर लगा हुआ है, जिस पर विक्रम संवत 2020 मे मंदिर का निर्माण करने वाले रामदयाल लालाराम और पंचम सिंह के नाम अंकित हैं। मंदिर के अंदर हनुमान जी की क्षतिग्रस्त प्रतिमा मिली है। हिंदूवादी संगठनों ने अंदर की साफ-सफाई कर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

वहीं, सोमवार को थाना रामगढ़ क्षेत्र में 60 फुटा रोड पर नूरी मस्जिद के पास भी एक बंद पड़े हुए शिव मंदिर की जानकारी मिली। मौके पर पहुंचे बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद आदि संगठनों के नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर की साफ-सफाई कराई।

'कांग्रेस दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, "गृह ज्योति स्कीम" में 200 यूनिट बिजली निशुल्क दी जा रही है तथा "गृह लक्ष्मी योजना" के अन्तर्गत, प्रत्येक महिला को 2,000 रूपए दिये जा रहे हैं। करीब-करीब सभी महिलायें इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं।"

दिल्ली-प्रभारी निज़ामुद्दीन ने कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले, "प्यारी दीदी योजना" कांग्रेस की पहली गारंटी है।

उन्होंने कहा, "प्यारी दीदी योजना" चुनावों से पहले कांग्रेस की प्रथम गारंटी है। कांग्रेस समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिये प्रतिबद्ध है।"

भाजपा पर प्रहार करते हुये उन्होंने कहा, "भाजपा के झूठे वादों से सभी परिचित हैं- चाहे बैंक खातों में 15 लाख रु. डालने का वादा हो, चाहे युवाओं को रोजगार देने का वादा है। लेकिन भाजपा की तरह, झूठ नहीं बोलती है। जहाँ हमारी सरकार है, वहाँ हम जनता के हर वर्ग, खास तौर से महिलाओं की बेहतरी के लिये कार्य कर रहे हैं।"

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने भी दिल्ली की सत्ता में आने के बाद "प्यारी दीदी योजना" लागू किये जाने का वचन दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी सत्ता में आने के बाद, कांग्रेस ने अपनी सभी गारन्टियाँ पूरी की हैं।

उच्चाधिकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा समिति के सदस्यों और किसान नेताओं के बीच बैठक के बारे में सूचित किए जाने के बाद सुनवाई टालते हुए मौखिक रूप से कहा, हमें उम्मीद है कि इससे कुछ सकारात्मक निकलेगा। पीठ के समक्ष सिब्बल ने प्रदर्शनकारी और उच्चाधिकार प्राप्त समिति (शीर्ष अदालत की ओर से गठित) के प्रमुख अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति नवाब सिंह से आज मुलाकात होने संबंधी जानकारी दी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने मामले पर 10 जनवरी को विचार करने से पहले समिति और अन्य को परिणाम से अवगत कराने को कहा। डल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब हरियाणा के खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं। शीर्ष अदालत ने कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने वाले कानून बनाने समेत किसानों की अन्य मांगों को लेकर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवाब सिंह के नेतृत्व में एक समिति गठित की थी। न्यायमूर्ति सिंह की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त इस समिति का गठन दो सितंबर को किया गया था।

चीनी वायरस के अब तक भारत में 5 मामले सामने आये

- **बेंगलुरु के दो, गुजरात के एक तथा तमिलनाडु के दो मामलों में वायरस की पुष्टि हुई।**

नई दिल्ली, 06 जनवरी। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) बहुत तेजी से फैल रहा है। यह वायरस अब धीरे-धीरे भारत में भी पैर पसारने लगा है। भारत में अब तक इस वायरस के पांच केस सामने आ चुके हैं। बेंगलुरु में दो मामलों के बाद गुजरात के अहमदाबाद में भी 2 महीने के एक बच्चे की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। तमिलनाडु में भी दो बच्चों में एचएमपीवी की पुष्टि हुई है। इसमें से एक चेन्नई का मामला है और दूसरा सलेम जिले का। सरकार ने बताया कि दोनों की स्थिति स्थिर है और दोनों पर निगरानी रखी जा रही है।

तमिलनाडु के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि चेन्नई में जिल दो बच्चों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) की पुष्टि हुई है उनका इलाज किया जा रहा है तथा इससे संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। अहमदाबाद के बच्चे में सर्दी और बुखार के लक्षण हैं। निजी अस्पताल की एक लैब के अनुसार, बच्चे की एचएमवीपी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चा मोडासा के नजदीक एक गांव का रहने वाला है।

द्रमुक सरकार को एक के बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने सरकार से बार-बार कहा कि राष्ट्र गीत को महत्व दिया जाए, पर सरकार ने एक नहीं सुनी और राष्ट्रगीत के अपमान की वजह से राज्यपाल ने सदन से बहिर्गमन किया।

पोस्ट में लिखा है कि "सदन में जब राज्यपाल आए तो राज्य गीत तमिल थाई वायतू गाया जा रहा था। राज्यपाल ने सदन को संवैधानिक कर्तव्यों की याद दिलाई और मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता हैं, तथा स्पीकर से कहा कि राष्ट्र गीत गाया जाए तो उन्होंने इन्कार कर दिया। यह गंभीर चिंता का विषय है।

राज्यपाल संविधान और राष्ट्रगीत के अपमान का हिस्सा नहीं बन सकते थे, इसलिए क्षुब्ध होकर वे सदन से बाहर आ गए।"

मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा राज्यपाल ने, लगता है, सदन को संबोधित करने की संवैधानिक प्रक्रिया का उल्लंघन करने की परम्परा बना ली है। सरकार द्वारा तैयार भाषण पढ़ना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है।

अब यह स्पष्ट है कि द्रमुक इसे मुद्दा बनाएगी। स्टालिन ने राज्यपाल के व्यवहार पर एक्स पर लिखा कि "राज्यपाल का व्यवहार बेहद बचकाना है, पहले तो वे भाषण में मनमाने तरीके से कटौती कर देते थे और इस बार तो वे बिना भाषण पढ़े ही चले गए। राज्यपाल लगातार तमिलनाडु की जनता का, जनता द्वारा चुनी हुई सरकार का, और 100 साल पुरानी तमिलनाडु विधानसभा का अपमान कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति पद पर क्यों है, जो अपनी राजनैतिक और कानूनी जिम्मेवारियां निभाना नहीं चाहता है? यह सवाल सभी के दिल में है।"

अब राज्यपाल के एक्शन के बाद सरकार अन्ना युनिवर्सिटी में हुए बलात्कार कांड से जनता का ध्यान हटाने में सफल हो सकती है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष में इस मुद्दे पर जमकर नारेबाजी हुई।

सत्ता पक्ष का कहना है कि राज्यपाल सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। जिन कमियों की वजह से अन्ना युनिवर्सिटी में यह घटना हुई, उसके लिए राज्यपाल जिम्मेदार हैं। विपक्ष ने भी सवाल किए "कौन है "सर", जिसके पोस्टर चेन्नई में लगे हैं। विपक्ष ने सरकार से कहा कि बलात्कार कांड के दूसरे आरोपी को पकड़ा जाए।

नारेबाजी के बीच राज्यपाल रवि ने पहले राष्ट्रगीत और फिर राज्य गीत बजाने को कहा, पर पहले राज्य गीत बजाया गया तो उन्होंने राष्ट्रगीत व संविधान का अपमान करने का आरोप लगाते हुए वॉक आउट कर दिया। कांग्रेस ने भी राज्यपाल के इस कृत्य की आलोचना की।

नारेबाजी के दौरान, स्पीकर ने मार्शल बुलवाकर अन्ना द्रमुक सांसदों को बाहर निकाल दिया और राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ दिया। स्पीकर ने सरकार का बचाव किया व कहा कि राष्ट्र गीत से पहले राज्य गीत बजता है, यही परम्परा है। गत वर्ष फरवरी में भी राज्यपाल ने अभिभाषण की विषय वस्तु के मुद्दे पर सदन को संबोधित नहीं किया था। बाद में संशोधित अभिभाषण को उन्होंने स्वीकार किया। इससे पहले भी आर.एन. रवि ने सदन से वॉक आउट किया था।

दिल्ली में भाजपा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीटिंग करेंगे।

आर.एस.एस. के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा, "जैसा महाराष्ट्र और हरियाणा में किया था, आर.एस.एस. अपने विभिन्न संगठनों के माध्यम से पूरे राज्य में सैकड़ों मीटिंग आयोजित करेगी। उदाहरण के लिये, "लघु उद्योग भारती", जो लघु, छोटे एवं मध्यम दर्जे के उद्यमियों का प्रतिनिधित्व करता है, व्यापारियों एवं उद्यमियों के साथ मीटिंग करेगा, "सेविका समिति" की स्वयंसेविकाएं महिला मतदाताओं से सम्पर्क करेंगी, "सेवा भारती" के कार्यकर्ता, जो जे.जे. क्लस्टर्स में काम कर रहे हैं, आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के साथ संवाद करेंगे।"

आर.एस.एस. और भाजपा के वरिष्ठ नेता पिछले महीने से परस्पर समन्वय कर रहे हैं ताकि पार्टी के प्रचार-अभियान की रूपरेखा बनाई जा सके। जिसमें अवैध अप्रवासन केन्द्रीय बिंदु रहेगा।

उपरोक्त व्यक्ति ने कहा, "आर.एस.एस. के पास अवैध अप्रवासन की जाँच करने एवं रोकने के लिये स्पष्ट एजेंडा है। दिल्ली में, अवैध रूप से आकर बस जाने वालों का मुद्दा दशकों से चला आ रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से यह समस्या म्याँमार और बाँग्लादेश से आये उन लोगों के कारण ज्यादा विकट हो गई है, जो वैध स्वीकृति के बिना शहर में न केवल रह रहे हैं, बल्कि कुछ लोगों ने तो पैसे देकर वोटर कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों की व्यवस्था भी कर ली है, जिसके कारण सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी पैदा हो गई हैं।"

भारतीय संविधान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधि विश्वविद्यालय, यानी नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के साथ मिलकर हिंदी भाषा में भारतीय संविधान पर पाठ्यक्रम शुरू किया।

इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में 15 वीडियो में हमारे संविधान के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम लोगों को संविधान के सार, इसकी ऐतिहासिक यात्रा और आधुनिक भारत को आकार देने में इसकी भूमिका की गहरी समझ प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

इस पाठ्यक्रम को हिंदी में पेश करने का निर्णय इसे व्यापक रूप से दर्शकों तक पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह पहल केवल शिक्षा के बारे में नहीं है बल्कि यह सशक्तिकरण के बारे में है।

यह प्रत्येक व्यक्ति को हमारे लोकतंत्र की नींव के बारे में जानने, अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझने तथा मजबूत और अधिक समावेशी भारत के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600